श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 243 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 20 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भारत बंद का अह्वानः दुर्ग-भिलाई के रेलवे स्टेशनों पर कड़ी चौकसी

अग्निपथ योजना के विरोध में दुर्ग जिले में हाई अलर्ट

जीआरपी, आरपीएफ व लोकल पुलिस के जवान कर रहे पहरेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेना में भर्ती के लिए लागू की जा रही अग्निपथ योजना के विरोध में विभिन्न संगठनों के आज भारत बंद के आह्वान को देखते हुए दुर्ग भिलाई के रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दुर्ग व भिलाई पावरहाउस जैसे एक्सप्रेस स्टापेज वाले स्टेशन के साथ ही लोकल व पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव वाले भिलाई-3 और भिलाई नगर जैसे स्टेशन पर जीआरपी, आरपीएफ व लोकल पुलिस के जवान पहरेदारी कर रहे हैं।

केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे उपद्रवी सबसे ज्यादा नुकसान रेलवे की संपत्ति को ही पहुंचा रहे हैं। बिहार व तेलंगाना में उपद्रवियों ने ट्रेनों में आग लगा दी और ट्रैक जाम तक कर दिया। विभिन्न संगठनों की ओर से आज अग्निपथ योजना के विरोध में भारत बंद का आह्वान किया गया है। इसको देखते हुए रेलवे ने दुर्ग भिलाई में भी अलर्ट घोषित कर दिया है। यहां जिला मुख्यालय दुर्ग के रेलवे स्टेशन सहित आसपास

के भिलाई पावरहाउस, भिलाई नगर, भिलाई-3 व कुम्हारी स्टेशनों पर भी रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों को तैनात कर मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा शासकीय रेलवे पुलिस और स्थानीय थानों के पुलिस अधिकारी और जवानों को भी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म व परिसर की सुरक्षा में अस्त्र शस्त्र के साथ तैनात रखा गया है।

अग्निपथ योजना को लेकर देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वैसे तो दुर्ग भिलाई के सभी रेलवे स्टेशन पर पिछले तीन दिनों से एहतियात के तौर पर खाकी वर्दीधारी जवानों की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। लेकिन आज भारत बंद के आह्वान को देखते हुए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

रेलवे स्टेशन तक जीआरपी और आरपीएफ के जवान निगरानी रखे हुए हैं। ट्रैक से गुजरने वाले लोगों पर न सिर्फ नजर रखी जा रही है, बल्कि रेलवे ट्रैक पर बिना कारण घूमते मिल रहे लोगों के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई कर हवालात पहुंचाया जा रहा है। बिहार व तेलंगाना जैसी घटना न हो, इसके लिए स्टेशन परिसर के चप्पे चप्पे पर नजर रखी जा रही है।

रेलवे स्टेशन के दोनों सर्कुलेटिंग एरिया के एंट्री प्वाइंट के साथ ही सबवे से आने व जाने वालों पर सिविल पुलिस बल विशेष रूप से नजर रख रहा हैं। दोनों ही प्वाइंटों पर सख्ती से जांच के बाद ही सिर्फ टिकटधारी यात्रियों व प्लेटफार्म टिकट वालों को ही स्टेशन पर प्रवेश दिया जा रहा है।

खास खबर

बड़ी कामयाबीः कुपवाड़ा मुठभेड़ में चार दहशतगर्द ढेर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर से सुरक्षाबलों ने बड़ी कामयाबी पाई है। सुरक्षाबलों ने रविवार से चल रही मुठभेड़ में चार आतंकियों को मार गिराया है। मौके से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अनुसार, कुपवाड़ा मुठभेड़ में दो और आतंकवादी मारे गए हैं। अब तक मुठभेड़ में कुल 4 आतंकवादी मारे गए हैं। मौके से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। फ्लिहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

ट्रैक-प्लेटफॉर्म के बीच फंसा यात्री, जवान ने बचा ली जान

भाटापारा। छत्तीसगढ़ के भाटापारा रेलवे स्टेशन से एक वीडियो सामने आया है। जिसमें एक युवक का मौत से सामना हो गया। दरअसल युवक चलती ट्रेन में ही चढ़ने लगा था। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म और ट्रैक के बीच बने स्पेस में फंस गया। हालांकि इसी दौरान एक आरपीएफ जवान की नजर उसपर पड़ी। उसकी दिलेरी से ही युवक की जान बच पाई।

एक और बिकरूकांड, पुलिस पर आरके दुबे ने दागीं 40 गोलियां

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर के श्याम नगर सी ब्लॉक में मानसिक तनाव से परेशान एक व्यक्ति आरके दुबे (55) ने रविवार को बहू और बेटे को बंधक बनाने के बाद पुलिसकर्मियों पर अपनी दोनाली बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग की। छर्रे लगने से दरोगा समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। दो घंटे में सिरफिरे ने छत से 40 राउंड फायर झोंक डाले। बड़ी मशक्कत के बाद डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार बातचीत कर उसको समझा सके। तब वह घर के भीतर दाखिल हुए और तत्काल आरोपी को हिरासत में लेकर बेटे-बहू को बचाया। आरोपी मानसिक तनाव में था। इस दौरान पुलिस ने एक भी गोली नहीं चलाई। पुलिस के मुताबिक आरके दुबे का बेटे सिद्धार्थ व बहू भावना से विवाद चल रहा है। रविवार को किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। दोपहर करीब एक बजे भावना ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो आरके दुबे ने छत से फायरिंग शुरू कर दी।

बनने से पहले ही बिखरी एकता, कैसे राष्ट्रपति उम्मीदवार चुन पाएगा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दल अभी भी उम्मीदवार की तलाश में हैं। एक के बाद एक बैठकें जारी हैं, लेकिन किसी नाम पर सहमति नहीं बनती दिख रही। इसी बीच बड़े नेताओं का 'पीछे हटना' भी देरी का कारण हो सकता है। पहले जहां विपक्षी दलों को साथ लाने की कोशिश में जुटीं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी अब खुद चर्चा से दूरी बना रही हैं। खबर है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार की तरफ से बुलाई गई बैठक में मुख्यमंत्री बनर्जी नदारद रहेंगी। इधर, कांग्रेस भी चर्चाओं में कम सक्रिय नजर आ रही है।

क्या ममता को नेतृत्व से कम कुछ नहीं चाहिए?

खास बात है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में मेगा एंट्री की कोशिश में हैं। इसके लिए वह राज्यों में जाकर बड़े नेताओं से मिल चुकी हैं। वहीं, 15 जून को उनकी अगुवाई में ही बैठक बुलाई गई थी, लेकिन अब जब एक बार और विचार होने जा रहा है, तो वह इससे किनारा कर रही हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी जैसे बड़े नेताओं की मौजूदगी भी नेतृत्व पर भी सहमति बनना बेहद जरूरी है।

बगैर होमवर्क के तैयारी में जुट जाती हैं ममता बनर्जी?

साल 2012 में बनर्जी की पार्टी टका हिस्सा थी, जिसके उम्मीदवार दिवंगत प्रणब मुखर्जी थे। उस दौरान सीएम ने मुखर्जी के नाम का विरोध किया और समाजवादी पार्टी के प्रमुख मुलायम सिंह के साथ होकर एपीजे अब्दुल कलाम का नाम आगे किया। हालांकि, इसमें वह सफल नहीं हुईं। इधर, यादव और कांग्रेस के बीच शांत सहमति बनी और उन्होंने मुखर्जी का नाम आगे कर दिया। साल 2017 में भी बनर्जी ने यूपीए उम्मीदवार और पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश की, लेकिन एनडीए के उम्मीदवार रामनाथ कोविंद ने बड़ी जीत दर्ज कर ली थी। जानकारों का मानना है कि 2012, 2017 और 2022 के इन हालात में एक खास पैटर्न नजर आता है कि वह बगैर ठीक से होमवर्क किए तैयारियों में जुट जाती हैं।

कांग्रेस क्या आखिर में खेलेगी बड़ा दांव?

विपक्षी दलों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन अब तक हुई बैठकों में पार्टी सक्रिय न रहकर केवल हिस्सा ही बनी है। साथ ही कांग्रेस ने अब तक कोई नाम की भी पेशकश नहीं की है। अब ऐसे में यह कहा जा सकता है कि पार्टी अन्य दलों का मूड भांप रही है और सारी कोशिशों के बाद बड़ी घोषणा कर सकती है। इसके अलावा एक कारण दूसरी परेशानियों को भी माना जा सकता है। राहुल गांधी समेत पार्टी के कई नेता जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। ऐसे में अपनी ही मुश्किलों में उलझी कांग्रेस अन्य चर्चाओं में सक्रिय भूमिका नहीं निभा रही है।

ममता की बैठक से दूर रहे थे ये दल

15 जून को आयोजित हुई बैठक से आप, तेलंगाना राष्ट्र समिति और बीजू जनता दल दूर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आप ने राष्ट्रपति उम्मीदवार चुनने के बाद समर्थन की बात कही है। वहीं, टीआरएस, कांग्रेस के साथ मंच साझा नहीं करना चाह रही।

चर्चाएं शुरू हुईं तो नेता ही पीछे हटते जा रहे हैं!

नाम वापसी या पीछे हटने की शुरुआत आगामी बैठक की अगुवाई करने जा रहे पवार से होती है। राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए राकांपा प्रमुख का नाम आगे था, जिसमें कई दलों ने सहमति भी जताई थी।

कहा जा रहा था कि छोटे दल भी पवार के हक में हैं। लेकिन महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता खुद ही प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उनके बाद चर्चाओं में जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला का नाम उठा,

लेकिन उन्होंने भी अपने राज्य की राजनीति का हवाला देते हुए इससे दूरी बनाने का फैसला किया। अब जब पवार ने 21 जून यानि मंगलवार को पवार ने बैठक बुलाई, तो बनर्जी ने शनिवार को ही शामिल होने में

असमर्थता जता दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पवार के आमंत्रण पत्र को लेकर बनर्जी नाराज हैं। उनके स्थान पर पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी बैठक में शामिल हो सकते हैं।

'अग्निवीरों' को नौकरी देंगे आनंद महिंद्रा, ट्वीट कर कहा- अनुशासन और कौशल आएंगे काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा सेना भर्ती के लिए लाई गई योजना 'अग्निपथ' को लेकर जहां देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है वहीं अब सेना और सरकार से लेकर उद्योगपति इसके फायदे गिनाने लगे हैं। इसी क्रम में महिंद्रा ग्रुप के मालिक आनंद महिंद्रा ने ट्वीट कर अग्निपथ योजना की खूबियां गिनवाने के साथ अपनी कंपनी में अग्निवीरों को नौकरी देने का एलान भी कर दिया है।

आनंद महिंद्रा ने ट्वीट कर नौकरी देने का किया एलान

आनंद महिंद्रा ने आगे लिखा कि अग्निपथ कार्यक्रम को लेकर हुई हिंसा से दुखी हूं। जब पिछले साल इस योजना पर विचार किया गया था, तो मैंने कहा था- और मैं फिर दोहराता हूं- अग्निवीरों द्वारा हासिल किया गया अनुशासन और कौशल उन्हें प्रमुख रूप से रोजगार योग्य बना देगा। महिंद्रा समूह ऐसे प्रशिक्षित, सक्षम युवाओं की भर्ती के अवसर का स्वागत करता है।

सेना ने किया भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए तारीखों का एलान

वहीं सेना ने तीनों सेनाओं में भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए तारीखों का एलान भी कर दिया है। थलसेना ने कहा है कि उसकी भर्ती प्रक्रिया 1 जुलाई से शुरू हो जाएगी। वहीं वायुसेना की भर्ती प्रक्रिया 24 जून से शुरू होगी जबकि नौसेना की भर्ती प्रक्रिया 25 जून से शुरू होगी।

रोजगार की अपार संभावनाएंः आनंद महिंद्रा

आनंद महिंद्रा ने ट्वीट कर कहा कि कॉरपोरेट क्षेत्र में अग्निवीरों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। नेतृत्व, टीम वर्क और शारीरिक प्रशिक्षण से लैस युवा हमारे उद्योग को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। इन युवाओं में संचालन से लेकर प्रशासन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तक का पूरा स्पेक्ट्रम शामिल है।

इस भर्ती में 17.5 वर्ष से 21 वर्ष तक के उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे

इस भर्ती में 17.5 वर्ष से 21 वर्ष तक के उम्मीदवार शामिल हो सकेंगे। हालांकि इस साल के लिए दो वर्षों की छूट भी दी गई है। यह भर्ती चार सालों के लिए होगी। इसके बाद परफॉर्मेंस के आधार पर 25 फीसदी कर्मियों को वापस से रेगुलर कैडर के लिए नामांकित किया जाएगा। बता दें कि उम्मीदवारों को सशस्त्र बलों में आगे नामांकन के लिए चुने जाने का कोई अधिकार नहीं होगा। चयन सरकार का अनन्य क्षेत्राधिकार होगा। मेडिकल ट्रेडमैन को छोड़कर भारतीय वायु सेना के नियमित कैडर में एयरमैन के रूप में नामांकन केवल उन्हीं कर्मियों को दिया जाएगा, जिन्होंने अग्निवीर के रूप में अपनी सेवा की अवधि पूरी कर ली है।

कोरोनाः देश में 12,781 नए कोविड संक्रमित मिले, संक्रमण दर 4.32 फीसदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते 24 घंटे में 12,781 नए कोरोना मरीज मिले हैं। इस दौरान सक्रिय केस में 4226 की बढ़ोतरी हुई और ये 76,700 हो गए। दैनिक संक्रमण दर 4.32 फीसदी दर्ज की गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह जारी रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटे में 8537 लोग कोरोना से उबर गए हैं। हालांकि, सक्रिय केस में तेजी से इजाफा होना चिंताजनक है। रविवार को 12,899 नए कोरोना संक्रमित सामने आए थे। इसकी तुलना में सोमवार को थोड़े कम

होकर 12,781 नए मरीज मिले हैं।

बीते 24 घंटे में 18 लोगों ने महामारी के चलते जान गंवा दी। इसके साथ ही कुल मृतक संख्या 5,24,873 हो गई है। पिछले करीब एक सप्ताह से रोज 12 हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। बीते कुछ दिनों से कोविड केस में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे किसी नई लहर का संकेत नहीं मान रहे हैं। विशेषज्ञों ने लोगों में बढ़ती लापरवाही को भी इसका जिम्मेदार माना है।

संस्कार विहीन दलाल-ठेकेदार

दीपक रंजन दास

कुछ लोग एकाएक इतना बड़े हो जाते हैं कि अपने संस्कार भूल जाते हैं। पूरे विश्व में अकेला भारत ही ऐसा देश है जहां ईश्वर की आराधना विभिन्न रूपों में की जाती है। यहां प्रत्येक बड़े मंदिर में अनेक छोटे-छोटे मंदिर होते हैं। मंदिर का नामकरण भले ही सबसे बड़े मंदिर के नाम पर किया जाता है पर इससे आलों में बैठे छोटे-छोटे भगवानों और नवग्रहों का महत्व कम नहीं हो जाता। लोग वहां भी पुष्प चढ़ाते हैं, माथा टेकते हैं। सभी स्थानों पर अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार चढ़ावा भी चढ़ाते हैं। दरअसल यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है जिसमें हमें एक बहुत बड़ी सीख सहजता के साथ दी जाती है। इसका केवल एक आशय है कि जीवन में किसी भी वस्तु, व्यक्ति या स्थान को तुच्छ नहीं समझना चाहिए। जीवन में सभी की भूमिका होती है। बिना नाई के पंडित शुद्धिकरण नहीं करा सकता। बिना डोम के अग्निसंस्कार नहीं हो सकता। रातों रात करोड़पति बने लोग अकसर यही भूल जाते हैं। उन्हें लगता है कि बड़े को साध लिया तो छोटों को लतियाया जा सकता है। रावण ने भी किया था, नतीजा भुगत लिया। इतिहास में ऐसे बहुतेरे किस्से मिल जाएंगे जहां असंतुष्टों ने षड़यंत्र रचकर सबकुछ तबाह कर दिया। राज्य के अन्यान्य स्थानों की तरह दुर्ग जिले में भी कुछ जमीन दलालों ने तेजी से तरक्की कर ली। उन्होंने अपने पेशे को नया नाम भी दे दिया। कोई बिल्डर तो कोई डेवलपर बन बैठा। छत्तीसगढ़ वासियों को अभी इन दोनों ही शब्दों का अर्थ ठीक-ठीक समझ में नहीं आता। इसलिए कारोबार खूब चला। खुद अपनी जमीन की प्लाटिंग करने वाले डेवलपर बन गए। कुछ लोग जमीन हथियाकर भी डेवलपर बने। ऐसे लोग पटवारी से लेकर स्थानीय विधायक तक को सेट करके चलते हैं। उनमें संस्कार शेष हैं। व्यापार की दुनिया में इसे व्यवहार कहा जाता है। इससे न केवल विघ्नहंता खुश रहते हैं बल्कि सबका समय-समय पर सहयोग भी मिलता है। यह सिस्टम में इंजिन ऑयल का काम करता है। सबकुछ आसानी से, बिना किसी बाधा-विघ्न के चलता रहता है। पर कुछ लोग अपनी अकड़ में रहना पसंद करते हैं। वे अपने आका का नाम लेकर लोगों को डराने-धमकाने से भी नहीं चूकते। उन्हें नहीं पता होता कि नेता और बड़े अधिकारी कभी अपनी गर्दन और कलम नहीं फंसाते। आप उनके लिए भीड़ जुटाओ, मंच बनाओ, चुनाव फाइनेंस कर सकते हो पर उनसे उनका राजनीतिक करियर नहीं छीन सकते। जिस भी नेता ने गलत के पक्ष में दबंगई दिखाई, शहर उनकी हालत देख रहा है। नई पीढ़ी कम से कम यह गलती तो नहीं ही करेगी। अब जब मामूली पटवारी दुम ठोंक दे तो सिवा किकियाकर भागने के और कुछ नहीं किया जा सकता।

संपादकीय

रोग बनाम योग

आज जब पूरी दुनिया योग या योग की तैयारी में लगी है, तब पुरातन भारतीय विज्ञान स्वयं ही अपनी सार्थकता सिद्ध कर रहा है। सिद्धांतत: विज्ञान ने इस बात को मान लिया है कि योग से कम से कम 10 लाभ होते हैं और इससे आयु में भी बढ़ोतरी होती है। लेकिन स्वयं भारत में योग करने वालों की संख्या आशा के अनुरूप नहीं है। सरकार के नियंत्रित मधुमेह कार्यक्रम के तहत दो साल पहले एक सर्वे हुआ था, जिसमें 1,62,330 लोगों ने हिस्सा लिया था, उसमें से योग करने वाले 12 प्रतिशत भी नहीं थे। दूसरी ओर, आधिकारिक आंकड़े के अनुसार, हर दसवां अमेरिकी योग करने लगा है। 2012 और 2017 के बीच अमेरिका में योगाभ्यास करने वाले वयस्कों का प्रतिशत 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 14.3 प्रतिशत और बच्चों में 3.1 प्रतिशत से बढ़कर 8.4 प्रतिशत हो गया। योग की लोकप्रियता बढ़ी है, तभी तो इस बार योग दिवस से पहले ही अमेरिकियों में योग करने की होड़ मची है। यूएस नेशनल साइंस फाउंडेशन के निदेशक डॉक्टर सेथुरमन पंचनाथन ने कहा कि योग दुनिया को भारत का सबसे बड़ा उपहार है।

> कम आय वाले दो-तिहाई देशों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को शामिल ही नहीं किया है। ज्यादातर एलोपैथिक चिकित्सकों ने मरीजों की मानसिक स्थिति और योग को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है। क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि योग का उद्योग असंगठित है? बेशक, अगर सेहतमंद रहना है, तो योग के आधिकारिक अध्ययन व क्रियान्वयन को बढ़ाना होगा।

गौर करने की बात है कि भारत में स्थानीय स्तर पर जब योग अभियान जोर पकड़ रहे थे, जब लोग उसके मूल्य को समझने लगे थे, तब अमेरिका में साल 2012 के राष्ट्रीय स्वास्थ्य साक्षात्कार सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 94 प्रतिशत लोगों ने स्वास्थ्य कारणों से योग को अपना लिया था। अभी भी ज्यादातर लोग मधुमेह या रक्तचाप के बाद ही योग को तरजीह देते हैं। खैर, अमेरिका योग के मामले में दुनिया का सबसे बेहतर देश है। पिछले दशक में वहां योग करने वालों की तादाद दोगुनी हो गई है। सवा अरब से ज्यादा लोगों के भारत में कितने लोग योग करते हैं, यह अभी गिना नहीं गया है, लेकिन अमेरिका में 3.60 करोड़ लोग नियमित योग करने लगे हैं। अमेरिका के योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस साल दुनिया भर में लगभग 30 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार से योग करने लगेंगे। भारत का आंकड़ा स्पष्ट नहीं है, लेकिन अमेरिका में योग करने वालों में 72 प्रतिशत महिलाएं या लड़कियां हैं।

क्या पुरुष योग या स्वास्थ्य को लेकर सजग नहीं हैं? अभी कल ही पुरुषों का स्वास्थ्य सप्ताह बीता है और पुरुषों में विशेष रूप से तनाव देखा जा रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि पुरुष अपनी मानसिक परेशानी को साझा करने से बचते हैं। हमारा समाज ऐसा है, जहां पुरुषों से रोने या शिकायत करने की उम्मीद नहीं की जाती है। वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि आठ में से एक व्यक्ति मानसिक विकार के साथ ही जीता है। यह दो दशक में वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य की सबसे बड़ी समीक्षा है। रिपोर्ट के अनुसार, महामारी के पहले वर्ष के दौरान चिंता और अवसाद, दोनों में वृद्धि 25 प्रतिशत से अधिक थी। मानसिक उपचार में योगाभ्यास बहुत कारगर साबित हो सकता है। वैसे यह सच है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से नहीं लेते हैं। कम आय वाले दो-तिहाई देशों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को शामिल ही नहीं किया है। ज्यादातर एलोपैथिक चिकित्सकों ने मरीजों की मानसिक स्थिति और योग को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है। क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि योग का उद्योग असंगठित है? बेशक, अगर सेहतमंद रहना है, तो योग के आधिकारिक अध्ययन व क्रियान्वयन को बढ़ाना होगा।

रोजगार में उम्मीद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने रोजगार के बारे में जो घोषणाएं की हैं, यदि उन्हें वास्तव में अमली जामा पहनाया जा सके तो लोगों को काफी राहत मिलेगी। मोदी ने कहा है कि अगले डेढ़ साल में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां मिलेगी और राजनाथ सिंह ने तो भारतीय सेना में भर्ती और सेवाओं के नियम ही बदल दिए हैं। इस समय देश में करोड़ों लोग पूर्णरूपेण बेरोजगार हैं और उससे भी ज्यादा लोग अर्धरोजगार हैं। याने उन्हें पूरे समय कोई काम मिलता ही नहीं है।

यदि 10 लाख को रोजगार मिल जाए तो यह तो ऊँट के मुंह में जीरे के समान ही होगा। सरकार की दृष्टि अपनी नौकरियों तक ही सीमित है। केंद्र सरकार के पास 40 लाख पद हैं। उनमें से लगभग 9 लाख खाली पड़े हैं। उसका कर्तव्य क्या इतना ही है कि वह इन्हें भर दे? वह तो है ही, उनसे अलग नए गैर-सरकारी रोजगार पैदा करना उससे भी ज्यादा जरुरी है। सरकारी नौकरों को वेतन, भत्ता और पेंशन आदि तो पूरे-पूरे मिलते रहते हैं लेकिन वे अपना काम कितना करते हैं, इस पर कड़ी निगरानी का कोई तरीका हमारे यहां नहीं है जबकि चीन में मैंने कई बार देखा कि सरकारी और प्राइवेट कंपनियां अपने कार्यकर्त्ताओं से डटकर काम लेती हैं।

इसीलिए भारत से पिछड़ा हुआ चीन हमसे पांच गुना ज्यादा मजबूत हो गया है। सरकारी नौकरियों की संख्या जरुर बढ़े लेकिन उनकी उपयोगिता के मानदंड काफी सख्त होने चाहिए और हर पांच साल में उनकी समीक्षा होनी चाहिए। जो भी अयोग्य पाया जाए, उस कर्मचारी को छुट्टी दी जानी चाहिए। फौज में नौकरियों के नए नियम बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथसिंह बधाई के पात्र हैं लेकिन कुछ अनुभवी अफसरों ने चिंता भी व्यक्त की है। इस साल 46 हजार नौजवानों को फौज में भर्ती किया जाएगा। उनकी उम्र 17.5 से 21 साल तक होगी। सभी जवानों को 4 साल तक फौज में रहना होगा। 4 साल बाद सिर्फ 25 प्रतिशत जवान वे ही रह पाएंगे, जो बहुत योग्य पाए जाएंगे। शेष 75 प्रतिशत जवानों को सेवा-निवृत्त कर दिया जाएगा।

-वेद प्रताप वैदिक

> **कभी लालू यादव ने कहा था कि अखबारों में क्या छपता है, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मतदाता अखबार नहीं पढ़ता। लेकिन वही लालू यादव अब खुद भी ट्विटर पर सक्रिय हैं, उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी ट्विटर पर हैं, उनके बेटे-बेटियां भी हैं। वे विभिन्न मुद्दों पर बोलते और लिखते हैं। प्रतिक्रियाओं का जवाब भी देते हैं। तकनीक ने राजनीति में इतना बदलाव तो किया ही है।**

डाटा युग में बिगड़ते बोल का बोलबाला

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

अपने देश में विवादास्पद सांप्रदायिक बयानों वाला बवाल जब अपने चरम पर था, तब कुछ अखबारों में खबर यह छपी कि भारतीय जनता पार्टी ने विवाद पैदा करने वाले अपने बयानवीरों पर लगाम लगाने का फैसला किया है। ऐसे 38 नेताओं की पहचान की गई है, जो अपने मुंह से झरने वाले फूलों की वजह से सुर्खियों में आते हैं। खबरों में यह भी बताया गया कि इसके लिए पार्टी नेताओं के लाखों ट्वीट खंगाले गए। उनमें से हजारों ट्वीट ऐसे अलग किए गए, जिनमें उनके बोल बिगड़े हुए थे। यह साफ नहीं है कि उसके आगे पार्टी ने सुधार के लिए क्या कार्रवाई की? की भी, या नहीं? यह भी हो सकता है कि पूरे मामले में पार्टी जिस तरह से फंस गई थी, उसके बाद ऐसी लीपापोती उसकी मजबूरी बन गई हो। मामला चाहे पार्टी में अनुशासन बनाने का हो या फिर महज लीपापोती करने का, इन कामों के लिए किसी पार्टी ने शायद पहली बार बिग डाटा का इस्तेमाल किया। कम-से-कम पहली बार ऐसा कोई किस्सा सार्वजनिक हुआ है।

साल 2014 का आम चुनाव वह पहला मौका था, जब बिग डाटा, यानी नागरिकों और मतदाताओं के आंकड़ों, उनकी जानकारियों, उनकी पसंद-नापसंद और उनके रुझानों का राजनीतिक इस्तेमाल शुरू हुआ था। सूचना तकनीक के इस्तेमाल से मतदाताओं को किस तरह जोड़ा और मोड़ा जा सकता है, इसका पहला अनुभव भारत को तभी मिला।

मतदान को प्रभावित करने की जिस तकनीक का इस्तेमाल अमेरिका में इस सदी की शुरुआत में ही होने लगा था, उसे भारत तक पहुंचने में एक दशक का समय लग गया। सबसे पहले बराक ओबामा ने इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया और बिग डाटा के जरिये वह न सिर्फ पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी प्राप्त करने में कामयाब रहे, बल्कि इसे आगे का मुख्य चुनाव भी उन्होंने जीता। पार्टी के भीतर उम्मीदवारी की दौड़ में उनकी प्रतिद्वंद्वी थीं हिलेरी क्लिंटन। हिलेरी जब इस दौड़ से बाहर हुईं, तो उन्होंने अपनी हार का ठीकरा आंकड़ों पर ही फोड़ते हुए कहा था कि उनके पास जीतने लायक अच्छे आंकड़े नहीं थे।

भारत में 1984 के आम चुनाव में राजीव गांधी ने राजनीति के परंपरागत और पुरातन तेवर बदलने की कोशिश की थी। तब पहली बार पार्टी दफ्तर में कंप्यूटर का इस्तेमाल शुरू हुआ था। उम्मीदवारों से उनके बायोडाटा मांगकर इन कंप्यूटरों में फीड किए गए थे। राजीव गांधी ने ही पहली बार चुनाव प्रचार को पेशेवर लोगों के हवाले कर उसका रूप-रंग पूरी तरह बदल दिया था। तब कांग्रेस के चुनाव प्रचार का जिम्मा री-डिफ्यूजन नाम की विज्ञापन एजेंसी को दिया गया था। इन चीजों के लिए उस दौर में उनका काफी मजाक भी बनाया गया। यह बात अलग है कि बाद में तकरीबन सभी दलों ने इन्हीं तौर-तरीकों को अपनाया। हालांकि, राजीव गांधी जिस समय कंप्यूटर का इस्तेमाल कर रहे थे, उस समय तक न तो बिग डाटा की अवाधारणा विकसित हुई थी, न आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) था, न मशीन लर्निंग थी, न इंटरनेट था और न ही वह सोशल मीडिया था, जिसने अगले दो दशक में करोड़ों लोगों को आपस में जोड़ दिया। पहला बदलाव तो राजीव गांधी ने कर दिया था, लेकिन अगले बदलाव के लिए भारत की राजनीति को अभी तीन दशक का इंतजार करना था।

आठ साल पहले जब बिग डाटा के इस्तेमाल ने भारत में दस्तक दी, तो यहां की राजनीति शायद उसके लिए पहले से ही तैयार थी। तब तक मोबाइल फोन की संख्या के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया था। देश में जितने वयस्क थे, मोबाइल फोन की संख्या उससे ज्यादा हो चुकी थी। इससे पहले की परंपरागत राजनीति में किसी भी उम्मीदवार के लिए यह लगभग असंभव था कि अपने क्षेत्र के 80 फीसदी मतदाताओं तक वह पंफ्लेट या प्रचार सामग्री को पहुंचा सके। लेकिन अब तकनीक ने यह मुमकिन कर दिया था कि 80 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं के फोन पर अपना संदेश भेजा जा सके।

इसलिए आंकड़ों का अंबार जमा करके उनके इस्तेमाल की तकनीक को भारतीय राजनीति ने ठीक वैसे ही अपनाया, जैसे मछली पानी को अपनाती है। हर रोज एक जीबी मुफ्त डाटा का दौर भले ही तब नहीं आया था, लेकिन ऐसी आबादी बहुत बड़ी थी, जो सोशल मीडिया से जुड़ चुकी थी। यह मीडिया मध्य वर्ग से होते हुए नीचे के वर्गों में भी अपने लिए जगह बनाने लग गया था।

तब से अब तक भारतीय राजनीति की गंगा-जमुना-सरस्वती में काफी डाटा बह चुका है। सभी दलों ने संकोच त्याग दिए हैं और आज हर कोई इनमें हाथ धो रहा है। इसी दौर ने एक और राजनीति को जन्म दिया है, जिसे हम चौबीसों घंटे और सातों दिन की राजनीति कहते हैं। यह और कुछ नहीं, नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की लगातार ऑनलाइन सक्रियता है। यह सक्रियता आपको ट्विटर पर भी दिखाई देगी, फेसबुक पर भी, यू-ट्यूब पर भी और इंस्टाग्राम पर भी। वहां मुद्दे भी उछाले जाते हैं, उनके जवाब भी दिए जाते हैं और फिर पूरे विमर्श में वह बिगड़े बोल भी उभरते हैं, जिनके लिए हमारी राजनीति पहले से ही कम बदनाम नहीं है।

इस नई सक्रियता ने कभी-कभार वाली तल्खी को सदा-सर्वदा वाला स्थायी भाव बना दिया है। पहले जिस तरह के तनाव की खबरें चुनाव के आसपास आती थीं, अब कभी भी, कहीं से आ जाती हैं। हालांकि, नई तकनीक इसे भी नियंत्रित करने में हमारी मदद कर सकती है, लेकिन यह होगा तभी, जब कोई वास्तव में इसे करना चाहेगा। तकनीक ने राजनीति को भले ही कितना भी बदल दिया हो, लेकिन समाज के तनावों से फायदा उठाने वाली उसकी नीयत को नहीं बदला। जब तक यह नहीं होता, लीपापोती चलती रहेगी।

कभी लालू यादव ने कहा था कि अखबारों में क्या छपता है, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मतदाता अखबार नहीं पढ़ता। लेकिन वही लालू यादव अब खुद भी ट्विटर पर सक्रिय हैं, उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी ट्विटर पर हैं, उनके बेटे-बेटियां भी हैं। वे विभिन्न मुद्दों पर बोलते और लिखते हैं। प्रतिक्रियाओं का जवाब भी देते हैं। तकनीक ने राजनीति में इतना बदलाव तो किया ही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अग्निपथ से असंतोष में कहीं राह न भटक जाएं युवा

विजय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार

हरियाणा के जींद जिले के लिजवाना कला गांव का 23 साल का सचिन दो साल से सेना में भर्ती खुलने के इंतजार में सुबह-शाम दौड़ लगा रहा था। भर्ती तो खुली, लेकिन अग्निवीरों के अग्निपथ पर वह चाहकर भी परेड नहीं कर सका। वह फांसी के फंदे से झूल गया। उसकी आत्महत्या के दो दिन बाद यह एलान हो गया कि अग्निवीरों की भर्ती में दो साल की विशेष छूट दी जाएगी।

यह सही है कि सेना को आधुनिक बनाना है। सैनिकों की औसत आयु को 32 से घटाकर 24-25 साल किया जाना है। हमने यह भी मान लिया कि पेंशन के बोझ को कम किया जाना चाहिए। कहा जा रहा है कि रक्षा मंत्रालय दो साल से अग्निपथ के अग्निवीरों की नई व्यवस्था पर माथापच्ची कर रहा था, लेकिन दो साल से सेना में नई भर्ती भी नहीं हुई थी। इस कारण बहुत से लड़के ओवर एज हो गए थे। भर्ती खोलने और उम्र सीमा में दो साल की छूट की मांग कर रहे थे। इस बीच कुछ ऐसे भी थे, जो शारीरिक या लिखित परीक्षा पास कर चुके थे और कॉल लेटर का इंतजार कर रहे थे।

कुल मिलाकर, लड़कों के असंतोष के तीन कारण सामने आ रहे हैं, एक- भर्ती के इंतजार में ओवर एज होना, दो- चार साल बाद रोजगार का क्या होगा, तीन- चार साल बाद भाग्यशाली 25 फीसदी अग्निवीरों में आने के मापदंड क्या होंगे। इसके अलावा पेंशन नहीं मिलना, चिकित्सा सुविधा परिवार के सदस्यों को नहीं मिलना जैसी शिकायतें भी शामिल हैं। यह कुछ ऐसे सवाल हैं, जो अग्निपथ योजना पर काम करने वालों को पता होने चाहिए थे। हालांकि, यह अच्छी बात है कि सरकार योजना सुधार के पक्ष में दिख रही है, आयु सीमा को आनन-फानन में बढ़ाया गया है।

लड़कों की नाराजगी को समग्रता में समझने की जरूरत है। विशेष भर्ती अभियान चलाकर पुरानी शिकायतों को दूर किया जा सकता है। नई व्यवस्था में 12वीं का मेरिट सर्टिफिकेट दिए जाने की बात की जा रही है। डिग्री देने का शोर मचा, तो मानव संसाधन मंत्रालय ने इग्नू (इंदिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय) से स्नातक डिग्रीनुमा कुछ दिए जाने की संभावना तलाशने का आश्वासन दिया है। अभी तीन साल का एनडीए कोर्स पूरा करने वालों को जेएनयू से स्नातक की डिग्री दी जाती है। चार साल की नौकरी करने वाले अग्निवीरों को भी ऐसी डिग्री दी जा सकती। संभव है, अगर अग्निवीर चार साल बाद रोजगार के मैदान में स्नातक डिग्री के साथ उतरते हैं, तो ज्यादातर तरह की नौकरी की बुनियादी शर्त को पूरा करने योग्य होंगे।

लड़के सड़कों पर उतरे, तो सरकार ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स (असम राइफल्स या आईटीबीटी) में प्राथमिकता के आधार पर उन अग्निवीरों को नौकरी दी जाएगी, जो चार साल की सेवा के बाद रिटायर कर दिए जाएंगे। कुछ विभागों में अग्निवीरों के लिए पद आरक्षित रखे जा सकते हैं। इसी तरह फिलहाल सिर्फ भाजपा शासित राज्यों (उत्तर प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, हरियाणा) ने ही रिटायर अग्निवीरों को पुलिस की नौकरी में प्राथमिकता देने की घोषणा की है। बाकी राज्यों को भी लचीला रवैया अपनाना चाहिए, ताकि अग्निवीरों के लिए रोजगार सुनिश्चित किया जा सके।

अभी की व्यवस्था के तहत देश के करीब पौने आठ सौ जिलों में से पौने दो सौ जिलों से ही सेना के 70 फीसदी रंगरूट चुने जाते रहे हैं। अब इसका दायरा देशव्यापी कर दिया गया है। ऐसे में, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड जैसे राज्यों के लड़कों की चिंता बढ़ गई है। उन्हें लगता है कि एक तो वैसे ही नौकरियों की संख्या कम कर दी गई है, उस पर नई व्यवस्था के चलते उनके राज्य के हिस्से की संख्या कम हो जाएगी। इस पर रक्षा मंत्रालय का कहना है कि जिन राज्यों में योग्य लड़के नहीं मिलेंगे, वहां के रिक्त पद अन्य राज्यों में बांट दिए जाएंगे।

ध्यान रहे कि भर्ती में कमी आई है। बीस साल पहले करीब 80 हजार पद हर साल भरे जाते थे। दस साल पहले तक यह संख्या 60 हजार के आसपास रहती थी। खैर, यहां जरूरत पड़ी, तो संकेत यही है कि सरकार ज्यादा भर्ती के लिए तैयार हो सकती है।

हमें यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि सेना की हर साल होने वाली भर्तियों में औसतन 80 लाख से 90 लाख लड़के हिस्सा लेते हैं। आमतौर पर वे दूसरे या तीसरे प्रयास में ही सफल होते हैं। इसके लिए उनको दो-ढाई साल मेहनत करनी पड़ती है। बहुतों के लिए सेना में भर्ती होना सपना ही नहीं, जरूरत भी है, लेकिन सपने टूटने का अर्थ यह नहीं कि उपद्रव किया जाए, विरोध और अपनी मांग मनवाने के शालीन तरीके भी हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

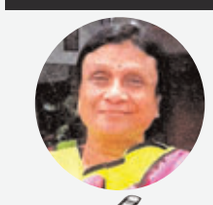

दोस्तों खुश रहने का अगर मौका मिले तो छोड़ना नहीं, घर हो या बाहर जज्बा बना रहना चाहिये, अपनों के साथ जितनी भी खुशियां बांटों मुट्ठी में दबाकर सबके बीच खूब बांटों?

-अंजली जैन
7024460938

सैन्य सुधार में कारगर अग्निपथ?

अजीत द्विवेदी

सेना में जवानों की बहाली के लिए बनाई गई अग्निपथ योजना पर दो अतिरेक वाले विचार हैं। जैसा इस सरकार की हर योजना के मामले में होता है- एक पक्ष इसका खुल कर समर्थन कर रहा है तो दूसरा पक्ष इसे पूरी तरह से खारिज कर रहा है। कोई मिडिल ग्राउंड नहीं दिख रहा है। लेकिन इसका समर्थन करने या इसे खारिज करने से पहले इस बात की प्रतीक्षा की जानी चाहिए कि यह योजना किस तरह से लागू होती है, देश का नौजवान इस पर कैसी प्रतिक्रिया देता है, सेना में पहले बैच की बहाली के बाद क्या माहौल होता है, इससे देश की सामरिक स्थिति कैसे प्रभावित होती है और सबसे ऊपर यह कि इससे सेना का बजट कैसे प्रभावित होता है।

हालांकि इस योजना की घोषणा करते हुए एक सवाल के जवाब में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी सरकार सेना के मामले में पैसे का ध्यान नहीं रखती है। उनके कहने का मतलब यह था कि इस योजना का मकसद सैनिकों के वेतन, भत्ते और पेंशन में होने वाले खर्च को कम करना नहीं है। हालांकि इस योजना का सैनिकों के वेतन, भत्ते और पेंशन पर बड़ा असर होगा। सरकार को इस मद में बड़ी बचत होगी, जिसका इस्तेमाल सेना के आधुनिकीकरण में किया जा सकेगा। ध्यान रहे सेना के लिए आवंटित कुल बजट में आधे से ज्यादा हिस्सा सैनिकों के वेतन, भत्ते और पेंशन पर खर्च होता है। पिछले वित्त वर्ष के चार लाख 78 हजार करोड़ रुपए के रक्षा बजट में 2.55 लाख करोड़ रुपए वेतन, भत्ते और पेंशन के मद में खर्च हो गए, जबकि सैन्य तैयारियों और आधुनिकीकरण के लिए 2.38 लाख करोड़ रुपए बचे।

एक आकलन के मुताबिक अगर अग्निपथ योजना सही तरीके से लागू होती है और सेना में नियुक्ति का स्थायी तरीका बनती है तो एक सैनिक के पूरे कार्यकाल और उसके जीवन पर होने वाले सरकारी खर्च में साढ़े 11 करोड़ रुपए की बचत होगी। यह आकलन 17 साल तक सेवा की मौजूदा व्यवस्था बनाम चार साल की अग्निपथ योजना के आधार पर किया गया है। जाहिर है एक सैनिक पर साढ़े 11 करोड़ रुपए की बचत बहुत बड़ी है। ध्यान रहे भारत की तीनों सेनाओं को मिला कर 13 लाख सैनिक हैं। सो, भले सरकार और रक्षा मंत्री कुछ भी कहें लेकिन अग्निपथ योजना लागू होने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि स्थापना पर खर्च होने वाली रकम में बड़ी कमी आएगी। इसका इस्तेमाल सेना के लिए आधुनिक तकनीक, हथियार, युद्धपोत, लड़ाकू विमान आदि खरीदने में होगा। अग्निपथ योजना के तहत बहाली के लिए न्यूनतम उम्र सीमा साढ़े 17 साल तय की गई है। इसके बाद सैनिक का कार्यकाल चार साल का होगा, जिसमें छह महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

नमन ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
9926278943
9406434001
पताः- आदर्श नगर, पेट्रोल पंप के पास, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरुम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

पूर्वांचल कल्याण आश्रम के 41 वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुई राज्यपाल, नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को किया सम्मानित

आश्रम के लोग बिना किसी अपेक्षा के निस्वार्थ भाव से करते है वनवासियों की सेवा - राज्यपाल

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज कलकत्ता के हावड़ा महानगर स्थित कला मंदिर में आयोजित पूर्वांचल कल्याण आश्रम के 41 वें वार्षिकोत्सव में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने आश्रम के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचन्द्र खराड़ी को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वांचल कल्याण आश्रम के वार्षिकोत्सव में आना मेरे लिये गौरव की बात है। मैं स्वयं वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़ी रही हूं, इसलिए मैं इनके त्याग व समर्पण को जानती हूँ कि आश्रम के लोग बिना किसी अपेक्षा के निस्वार्थ भाव से वनबन्धुओं की सेवा करते है।

वनवासियों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए आश्रम नित प्रयासरत है। राज्यपाल सुश्री उइके ने वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़े रहे श्री जगदेव राम उरांव को नमन करते हुए कहा कि वनवासियों के कल्याण के लिए किये गए उनके कार्यों को सदन में उपस्थित लोग आगे बढ़ाएं। उनका व्यक्तित्व और सेवा भावना अनुकरणीय है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश भी जनजाति बाहुल्य है और वहां भी लोगों की इच्छा होती है कि वे व्यक्तिगत रूप से मुझसे मिलें। इसी उद्देश्य से मैंने राजभवन के दरवाजे आमजनों के लिए खोल दिये हैं। साथ ही लोगों के आत्मीय आमंत्रण पर सभी वर्गों के सामाजिक कार्यक्रमों में मैं उत्साह के साथ शामिल होती हूँ। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में लगभग 61 संस्थाओं के लोग आए हुए हैं जो मानव सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहे है। इसीलिए आप सभी से जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। उन्होंने आगे कहा कि 1978 में स्थापित पूर्वांचल कल्याण आश्रम, सेवा के अपने उद्देश्यों को निरंतर पूरा कर रहा है। जनकल्याण की भावना से सेवा प्रकल्पों के द्वारा अंचल के वनवासी क्षेत्रों के लिए समर्पित यह संस्था आज वटवृक्ष का आकार ले चुकी है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि देश भर में हजारों वनवासी ग्रामों से संपर्क में रहकर वनवासी बंधुओं के समग्र विकास के लिए 20 हजार से ज्यादा सेवा प्रकल्प चल रहे हैं। कुल 238 छात्रावास संचालित हैं और दो हजार से अधिक एकल विद्यालय कल्याण आश्रम, आरोग्य केन्द्र और खेलकूद केन्द्र भी खोले गए हैं। जिससे वन पर्वतों में बसे गांव में कहीं चिकित्सा केन्द्र, कहीं छोटा अस्पताल, कहीं चल चिकित्सालय तो कहीं आरोग्य रक्षक योजना सहित विविध प्रयास किये जा रहे हैं। पूर्वांचल कल्याण आश्रम कोलकाता द्वारा पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में बालकों के लिए आठ और बालिकाओं के दो छात्रावास, 495 एकल विद्यालय, वर्षा जल संरक्षण हेतु वनवासी गांव में 550 से अधिक तालाब तथा दूरस्थ वन क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चार स्वास्थ्य केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। साथ ही वनवासियों के शोषण के विरूद्ध उन्हें जागरूक करने के लिए वनवासी कल्याण आश्रम अनथक प्रयास कर रहा है। समाज हित में सक्रियता के साथ कार्य करते हुए अन्याय के खिलाफ जागरूकता हेतु अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।वनवासियों को अपने संवैधानिक अधिकारों की जानकारी भी होनी चाहिए, इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। साथ ही आप सभी से और वनवासी युवाओं से कहना चाहूंगी कि अपनी संस्कृति, बोली, भाषा पर गर्व करें और इसके संरक्षण के उपाय भी करें।

भाजपा और पतंजलि मिलकर करेंगी योग दिवस का आयोजन

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर । आजादी की 75 वीं वर्षगांठ को पूरा देश अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर को आजादी के महानायक को से जोड़कर देश के 75 स्थानों में सामूहिक योग कार्यक्रम का विचार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया और उनके आग्रह पर योग गुरु स्वामी रामदेव व पतंजलि योगपीठ द्वारा भाजपा के साथ संयुक्त रूप से देश के चुनिंदा 75 स्थानों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस श्रृंखला में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर का भी चयन किया गया है।

छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र ,सच्चे देशभक्त , प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृतियों को सहेजते हुए भारतीय जनता पार्टी रायपुर जिला व पतंजलि योगपीठ के संयुक्त तत्वाधान में 21 जून को प्रात: 6:00 से 7:30 तक आकाशवाणी चौक स्थित गास मेमोरियल मैदान में विभिन्न आसन प्राणायाम एवं विश्व योग दिवस पर निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत पतंजलि योग समिति के प्रशिक्षित गुरुओं द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा।

विश्व योग दिवस व शहीद वीर नारायण सिंह के योगदान से सतत लोगों को जोडने के लिए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। भाजपा रायपुर जिला व पतंजलि योगपीठ द्वारा आयोजित इस योगाभ्यास कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न सामाजिक संगठन, शैक्षणिक संगठन ,खेलकूद समितियां, धार्मिक संगठन से संपर्क कर उन्हें आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में भाजपा रायपुर जिला के सभी 16 मंडल,रायपुर नगर निगम, बिरगांव नगर निगम व माना नगर पंचायत के पार्षद गण,

पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट,युवा भारत, महिला पतंजलि समिति, पतंजलि किसान समिति के सदस्य भी सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन के लिए ई- रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में एक भाव व एकरूपता के लिए सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम स्थल को आजादी के 75 वे वर्षगांठ के प्रतीक स्वरूप 75 ध्वज से कार्यक्रम स्थल गॉस मेमोरियल ग्राउंड को सजाया जाएगा।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए भाजपा रायपुर जिला व पतंजलि योग समिति द्वारा संचालन समिति बनाई गई है। जिसमें जिला अध्यक्ष श्रीचंद सुंदरानी के साथ, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के विशिष्ट प्रभारी संजय अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक अमरजीत छाबड़ा व समिति में विभिन्न सदस्यों की नियुक्ति की गई है। 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित विशाल योग शिविर में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह भारतीय जनता पार्टी संगठन महामंत्री पवन साय रायपुर सांसद सुनील सोनी पूर्व मंत्री और विधायक बृजमोहन अग्रवाल पूर्व मंत्री राजेश मूणत जी सहित प्रमुख पदाधिकारी सम्मिलित होंगे भाजपा रायपुर जिला व पतंजलि योग समिति आम जनता से आग्रह करती है कि तन मन को स्वस्थ रखने व अपने शहीद वीरों की स्मृति संजोने के लिए 21 जून विश्व योग दिवस के अवसर पर आजादी के 75 व अमृत महोत्सव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होवे।

खास खबर

भूपेश बघेल से मुकाबला नहीं कर सकती इसलिए भाजपा साजिश रच रही - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा नेताओं के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि भाजपा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का मुकाबला नहीं कर सकती, इसलिए उनके प्राण संकट में डालने की साजिश रच रही है और ऊपर से नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह बेतुकी, बेबुनियाद, अनर्गल लफ्फाजी कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ को कर्जदार बनाने और नक्सलगढ़ बना देने का काम भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार ने किया है और अब भाजपा की मोदी सरकार छत्तीसगढ़ का पैसा रोककर राज्य के विकास के लिए कर्ज लेने कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार को मजबूर कर रही है। रमन सिंह की भ्रष्ट मंडली ने कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार के लिए कर्ज लिया। रमन सिंह के राज में नक्सलवादी हिंसा चरम पर पहुंची। कांग्रेस ने तो अपनी एक पूरी पीढ़ी ही भाजपा राज में नक्सली हमले में खो दी। जिसके सच से पर्दा उठाने में भाजपा बाधक बनी है। खुद नेता प्रतिपक्ष हाइकोर्ट पहुंचे हैं कि नए सिरे से जांच न हो ताकि सच सामने न आये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रमन सिंह की सरकार में नक्सली हिंसा की स्थिति और आज के हालात में क्या बदलाव है, यह सारी दुनिया देख रही है। रमन सिंह के समय प्रदेश भर में नक्सल दायरा फैल गया था। भूपेश बघेल की सरकार ने विकास के बूते शांति और विश्वास कायम किया है लेकिन यह सच है कि नक्सल खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे झीरम का षड्यंत्र रचा गया, वैसे ही एक और साजिश के तहत दिल्ली में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कहा जाता है कि एक सुरक्षा कर्मी के साथ रहें।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम का क्रेज बढ़ा, अब चिल्फी और रेंगाखार जंगल के ग्रामीणों ने स्कूल खोलने की मांग

क्षेत्र का समूचित विकास और लोगों की सममस्याओं को समाधान का प्रयास सदैव रहेगा- मंत्री अकबर

श्रीकंचपथ न्यूज

कवर्धा। राज्य के नई पीढी को उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नि:शुल्क उपलब्ध कराने के दिशा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शुरू की गई स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। जिला व विकासखण्ड मुख्यालय में स्कूल खुलने के बाद बडे आबादी वाले गांवो से भी स्कूल खोलन की मांग आने लगी है। प्रदेश के वन, परिवहन आवास एवं पर्यावरण मंत्री व कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर के समक्ष कबीरधाम जिले के सूदूर वनांचल ग्राम चिल्फी और रेंगाखार जंगल के ग्रामीणो ने अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम खोलने की मांग की है। श्री अकबर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुसार बच्चों को उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नि:शुल्क उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा इस योजना के माध्यय से एक बड़ा कदम उठाया गया है।

इस योजना के शुरूआत होने से लोगों का रूझान सरकारी स्कूल के प्रति बढ़ा है। राज्य में शैक्षणिक सत्र 2020-21 से 52 और शैक्षणिक सत्र 2021-22 में 119 इस प्रकार राज्य में कल 171 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गए है। इस सत्र से अब हिन्दी माध्यम के स्कूल भी खोले जाएंगे। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय और विकासखण्ड मुख्यालयों में यह स्कूल खोलने की यह योजना है।

श्री अकबर ने ग्रामीणों का मांगों पर कहा कि राज्य सरकार के मंत्री और इस क्षेत्र के विधायक होने के नाते इस क्षेत्र का समूचित विकास और लोगों की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने राज्य स्तरीय भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत जब भी कबीरधाम जिले के दौरे पर आएंगे तो मै भी आप लोगों के साथ एक विधायक होने के नाते आप लोगों की मांगो को मुख्यमंत्री तक अवगत कराउंगा।

श्री अकबर अपने कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लूप में वनांचल क्षेत्र के लगभग 30 से 40 गांव के ग्रामीणो से भेंट-मूलाकात एवं सीधा संवाद किया।

उन्होने सभी से सीधा संवाद करते हुए लोगों की मांग, समस्या और शिकायतों से रूबरू भी हुए। श्री अकबर ने कहा कि पिछले दो वर्षों से कोविड कोरोना वायरस की वजह से क्षेत्र का भ्रमण नहीं हो पाया था, हालांकि आप लोगों से क्षेत्र के जनप्रनिधियों और अन्य माध्यमों से जुड़ा रहा है। इसलिए आप लोगों से सीधा संवाद करने आया हू। आप लोगों की समस्याएं मांग और शिकायतों भी सुनने आया हूं। इस दौरान ग्रामीणों ने पुल-पुलिया, सड़क निर्माण, हैण्डमंप, स्कूल, आंगनबाडी मरम्मत एवं निर्माण कार्य, बिजली लाईन विस्तार, प्राथमिक उपस्वास्थ्य केन्द्रों में नर्स एवं स्टॉप की मांग, वन अधिकार पत्र, भूमि सीमांकन, एंबूलेंस, 108 व्यक्तिगत मांग भी सामने आई। श्री अकबर ने कहा कि सभी मांगों, समस्याओं को नोट किया गया हैं। सभी पर उचित कार्यवाहीं करते हुए मांगों, समस्याओं का प्राथमिकता में निराकरण किया जाएगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष होरी साहू, नीलकंठ चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामकली, हंसा राम धुर्वे, रामकुमार पटेल, मुखीराम मरकाम, तुका राम चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अमिता प्रभाती मरकाम, उपाध्यक्ष सनत जायसवाल, पीताम्बर वर्मा, जनपद सदस्य श्रीमती नरमदिया बाई, राजेश मेरावी, श्रीमती राजकुमारी मेरावी, श्रीमती अमरौतिन बाई, इंदरो पंचचेश्वर, श्रीमती दुखिया बाई, श्रीमती अर्चना चंद्रवंशी, सुमरन सिंह, जिला पंचायत सदस्य हंसराम ध्रुवे, बैगा विकास प्राधिकरण अध्यक्ष पुसुरम मेरावी, लूप ग्राम पंचायत, सरपंच ग्राम पंचायत शंभूपीपर सोनसिंह, रेंगाखार जनपद सदस्य लेखराम पंचेश्वर, जनपद सदस्य चिल्फी ब्रिजलाल मेरावी, सरपंच टेकराम यादव, उपसरपंच दसरू बैगा, रूपेश केशरवानी, सरपंच चिल्फी अनिरुद्ध पनारिया, उपसरपंच प्रकाश अग्रवाल, तानसेन चौधरी, सुकाल सिंह, संजय लिखाटे, गऊ दास बघेल आदि शामिल थे। कैबिनेट मंत्री अकबर इस अवसर पर ग्राम आमपानी, बारहपनी, बोक्करखार, कुण्डापानी, मांछीभाठाखुर्द, शम्भूपीपर, कबरीपथरा, महलाघाट, राजाढार, तुरैयाबाहरा, दुलदुला, छधवाईपानी, जामपानी, बेलापान, चिल्फी, भोथी, लूप, सरोधादादर, बेंदा और साल्हेवारा,झलमला, रेंगाखार जंगल सहित दूर-दराज के ग्रामीणों से सीधा सवांद किया।

किसान, मजदूर और महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में विकासपरक राज्यस्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आज दंतेवाड़ा जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ने अवलोकन किया। दंतेवाड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत केशापुर, टेकनार, नेटापुर, मुरकी, मसेनार, कुपेर, कमालूर, चितलंका के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलाव और विकास कार्यों की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार आदिवासियों, किसान, मजदूर और महिलाओं के आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा और इलाज की व्यवस्था की गई है। वनांचल में आदिवासियों को समर्थन मूल्य पर एवं राजीव गांधी किसान न्याय योजना का क्रियान्वयन कर कृषि उपज खरीदी की जा रही है। इसी तरह वर्तमान महंगाई के दौर में सस्ती दरों पर श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर में दवाई उपलब्ध कराया जा रहा है। गौठान और स्व-सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है, जिससे महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ रही है।

प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न ग्राम : इसी तरह गीदम विकासखंड के ग्राम पंचायत मोफ्फनार, नागुल, छोटे तुमनार, बड़ेसुरोकी, कटुलनार आदि पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत पात्र लोगों को वन अधिकार पत्र प्रदान करने अनुसूचित और अन्य पारंपरिक वनवासी वन अधिकार कानून लागू किया गया है। पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि इस अधिनियम के लागू हो जाने से वनांचलों के पट्टाधारी किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण और किसान न्याय योजना का लाभ मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि वनांचलों में तेंदूपत्ता और वनोपज संग्रहण पर न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने से आदिवासियों को उनके मेहनत का फल मिलने लगा है। कोदो, कुटकी और रागी के लिए उद्योग स्थापित किया जा रहा है। सरकार की विभिन्न योजनाओं से लोग लाभान्वित हो रहे हैं एवं आदिवासियों की पुरानी संस्कृतियों को पुनर्जीवित किए जाने से लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना की सराहना की। सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भूमिहीन मजदूर, महिला और युवा लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा सुराजी गांव योजना और गोधन न्याय योजना से लोगों को रोजगार मिल रहा है।

पद्म पुरस्कार के लिए 15 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचपथ न्यूज

गरियाबंद। भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न क्षेत्रों में प्रदान किया जाता है।पद्म पुरस्कार अर्थात् पद्म विभूषण,पद्म भूषण और पद्मश्री,देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।इस पुरस्कार में ''उत्कृष्ट कार्य'' को मान्यता प्रदान की जाती है।इसे सभी क्षेत्रों/विषयों जैसे कला,साहित्य और शिक्षा,खेल,चिकित्सा, सामाजिक कार्य,विज्ञान और इंजीनियरी,सार्वजनिक मामलों, नागरिक सेवा,व्यापार और उद्योग आदि में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवा के लिए प्रदान किया जाता है। कोई भी व्यक्ति, किसी भी जाति,व्यवसाय,हैसियत या लिंग के भेदभाव के बिना इन पुरस्कारों के लिए पात्र है।यह पुरस्कार वर्ष 2023 के लिये संचालनालय,खेल एवं युवा कल्याण,छत्तीसगढ़,रायपुर द्वारा सभी पात्र/योग्य व्यक्तियों से निर्धारित प्रारूप में नामांकन प्रस्ताव 10 अगस्त 2022 तक मंगाई गई है।पद्म पुरस्कार के लिए नामांकन/सिफारिशें केवल ऑनलाईन पोर्टल पद्मअवार्ड्स डाट जीओवी डाट इन पर 15 सितम्बर 2022 तक स्वीकार की जायेंगी।नामांकन में अनुशंसित व्यक्ति की उससे संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए विवरणात्मक रूप में प्रशस्ति पत्र सहित उपर्युक्त पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप में उल्लेखित सभी प्रासंगिक जानकारी दी जानी चाहिए।किसी व्यक्ति ऑनलाईन नामांकन/ करते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

गोधन न्याय योजना में 144 करोड़ की गोबर खरीदी पर महिला समूह और किसानों ने मुख्यमंत्री को 'गाय-बछड़ा' आशीर्वाद स्वरूप भेंट किया

गौ-पालक महिला समूह एवं किसान पहुंचे मुख्यमंत्री निवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की सबसे प्रभावी ग्रामीण आर्थिक नीतियों में से एक 'गोधन न्याय योजना' के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा रिकॉर्ड 144 करोड़ रुपये से अधिक की गोबर खरीदी करने पर, गौ-पालक महिलाओं और किसानों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का हृदय से आभार व्यक्त किया और एक सुंदर 'गाय-बछड़ा' आशीर्वाद स्वरुप मुख्यमंत्री को भेंट किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भावुक हो गये और उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव, गरीब, किसानों और महिलाओं के जीवन में आर्थिक समृद्धि और खुशी ही 'छत्तीसगढ़ मॉडल' का मूल उद्देश्य है।

संतोषी यादव ने कहा की छत्तीसगढ़ के किसानों और महिलाओं के आर्थिक विकास पर भूपेश सरकार की 'गोधन न्याय योजना' का व्यापक असर हुआ है। सरकार ने योजना के अंतर्गत गौ-पालकों से दो रुपये किलो में गोबर खरीदा, महिला समूहों से जुड़ी लाखों बहनों को रोजगार और आय का जरिया मिला। साथ ही इस योजना से किसानों का दोहरा लाभ हुआ। गोबर के खाद के इस्तेमाल से खेतों की उर्वरक शक्ति बढ़ी और गौ-पालकों द्वारा गायों को घर में रखने के कारण, आवारा पशुओं द्वारा फसल को किये जाने वाले नुकसान की समस्या से भी छुटकारा मिला।

इस अवसर पर किसानों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गोबर को आर्थिक समृद्धि का परिचायक बना दिया है। यह उनकी दूरदृष्टि और उनके ग्रामीण परिवेश का परिणाम है कि मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने सर्वप्रथम गांव और गरीबों के आर्थिक विकास के लिये 'गोधन न्याय योजना' तैयार की। आज देश-विदेश में छत्तीसगढ़ की 'गोधन न्याय योजना' एक रोल मॉडल के रूप में पढ़ी और सिखाई जा रही है। कई अन्य राज्य इस योजना को अपनाने मुख्यमंत्री से सलाह ले रहे हैं। किसान मोहित राम ने कहा कि मुख्यमंत्री की 'गोधन न्याय योजना' केवल एक योजना नहीं है बल्कि यह छत्तीसगढ़ की अस्मिता की पहचान है। मानव और गौ के धार्मिक और कृषि गठबंधन को गांव की सामाजिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक बनाकर मुख्यमंत्री बघेल ने देश को दिशा दिखाने का काम किया है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में प्रदेश को पहला ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो स्वयं छत्तीसगढ़ का प्रतीक है- किसान के घर जन्मा, मिट्टी में खेला, खेतों में बड़ा हुआ और मुख्यमंत्री बनकर ऐसी नीतियाँ लागू की जो जमीनी स्तर पर ग्रामीण आर्थिक समृद्धि के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

महिला समूह की बहनों ने गौठान में उगाई हुई सब्जी-भाजी, अगरबत्ती, पापड़, मसाले भी मुख्यमंत्री को भेंट किए। विनोद तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री और लाभान्वित गौ-पालक महिला समूह और किसानों की बीच हुई भेंट के दौरान जो भावुकता और आत्मीयता देखने को मिली, वही 'गोधन न्याय योजना' की सफलता का परिचायक है।

आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रुक्मणि धीवर, संतोषी यादव, दुलारी यादव, राजेश्वरी साहू, फुलेश्वरी यादव, उषा मानिकपुरी, बिसाहिन धीवर, अपराजित तिवारी, सर्वश्री सेवक राम साहू, संतराम साहू, बैसाखू राम साहू, पर्यटन साहू, वतन चन्द्राकर, नागेन्द्र चन्द्राकर, डुमेंद्र साहू, बिशहत राम साहू, मोहित राम, बबलू चन्द्राकर, लखन कुम्भकार, लखन निर्मलकर, राजकुमार, तेजराम साहू, खेमराज यादव, महावीर चन्द्राकर, योगेश कुमार, वीरेन्द्र यादव, घनाराम यादव, सहदेव यादव, बेनु निषाद, अर्जुन यादव, पप्पू पुरैना, सूरज खुटे, उमेंद्र छत्रिय, शामिल थे।

गांव, गरीब, किसान और महिलाओं की आर्थिक समृद्धि के स्त्रोत 'गोधन न्याय योजना' से 2 लाख से अधिक लोग लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने कहा कि वो तीन करोड़ छत्तीसगढ़वासियों के परिवार के सदस्य हैं और परिवार की खुशी में ही उनकी खुशी है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल बोर्ड ऑफडायरेक्टर्स के सदस्य विनोद तिवारी की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के लाभार्थी मुख्यमंत्री से मिलने आये थे। छत्तीसगढ़ 'गोधन न्याय योजना' से अब तक प्रदेश के लगभग 2 लाख से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए हैं। वही प्रदेश में गौपालकों की संख्या में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, केवल एक वर्ष के अंदर योजना से लाभान्वित लोगों की संख्या 1,68,531 से बढ़कर 2,11,540 हुई है। गौपालकों की संख्या में वृद्धि, ग्रामीण स्तर पर निरंतर हो रही आर्थिक उन्नति का प्रमाण है। राज्य में 8408 गौठान स्थापित किये गए हैं ताकि लोगों को उनके गांव में ही गोबर बेचने में आसानी हो।

15 साल बाद नहरपारा रोड के बाटलनेक का चौड़ीकरण इसी महीने से, नहरपारा विकास समिति का संघर्ष रंग लाया

रायपुर (ए)। 15 साल से अटके शहर के नहरपारा रोड के चौड़ीकरण के लिए महापौर परिषद ने मुआवजे का अहम फैसला लेकर रहवासियों को बड़ी राहत दी है। परिषद के फैसले के बाद अब चौड़ीकरण के जद में जिनके मकान और दुकानें आ रहे हैं, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा। नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष व पूर्व पार्षद रमेश आहूजा और समिति के अन्य पदाधिकारी लगातार इस मुद्दे को लेकर पत्र लिखने से लेकर पक्ष व विपक्ष के विधायकों, महापौर का समर्थन ले रहे थे। रमेश आहूजा ने कहा कि 15 सालों के संघर्ष का परिणाम अब सामने आया। नहरपारा रोड के बाटलनेक का चौड़ीकरण इसी महीने के अंत से शुरू होने की उम्मीद है। रमेश आहूजा ने मांग पूरी होने पर गुरुद्वारे में अरदास करने का संकल्प लेने के साथ ही हनुमान मंदिर में पूजा की।

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन भी नहरपारा सड़क चौड़ीकरण के मुआवजे के प्रस्ताव को मंजूरी दे चुका है। रोड चौड़ीकरण में जिनके मकान और जमीन आ रहे थे, वे मुआवजे की मांग पर अड़े थे। इस वजह से सड़क का चौड़ीकरण अटका था। सुभाषनगर से नहरपारा तक लगभग एक किलोमीटर की रोड का चौड़ीकरण हो चुका है। संजय गांधी चौक पहुंचने वाली इस सड़क का अंतिम 50 मीटर का हिस्सा मुआवजे के पेंच में चौड़ा नहीं हो रहा था। इस वजह से सुभाषनगर से आने वाला यातायात फोरलेन रोड से आकर बाटलनेक में फंसता था। इससे रोड चौड़ी होने के बावजूद लोग बाटलनेक के जाम में फंसकर परेशान होते थे। इस समस्या को दूर करने पिछले 15 साल में कई बार प्रयास हुए, लेकिन शासन ने मुआवजे पर रोक लगा दी थी। इस वजह से निगम मुआवजे पर फैसला नहीं ले पा रहा था। दूसरी ओर जिनके मकानों में तोड़फोड़ की जानी थी, वे मुआवजे के बिना मंजूरी नहीं दे रहे थे।

'जगार-2022' मेला बना लोगों के आकर्षण का केन्द्र

लोगों से मिल रहे प्रतिसाद को देखते हुए मेला 5 दिनों के लिए बढ़ाया गया

छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों के लगे हैं 140 स्टॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के छत्तीसगढ़ पंडरी हाट बाजार परिसर में आयोजित ''जगार-2022'' मेला को लोगों से मिल रहे प्रतिसाद को देखते हुए इस मेले को 5 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है, अब यह मेला 24 जून तक चलेगा। जगार मेला लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है, राजधानीवासियों के लिए आज रविवार की शाम लोगों के लिए सौगात बनी। यहां आए लोगों ने जमकर खरीददारी की। इस मेले में छत्तीसगढ़ सहित 12 राज्यों के शिल्पकारों एवं बुनकरों के विभिन्न उत्पाद के प्रदर्शन सह विक्रय के लिए 140 स्टॉल लगे हैं। शिल्पकारों और बुनकरों के उत्पादों को बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को विगत 16 जून को मेले के अवलोकन के दौरान शिल्पकारों और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया था। मुख्यमंत्री बघेल ने इस आयोजन के लिए हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप और विभागीय अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा था कि शिल्पकारों और बुनकरों की कलाओं को आगे लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री बघेल को शिल्पकारों ने 10 दिवसीय मेले के आयोजन को और बढ़ाने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने शिल्पकारों की मांग पर संवेदनशील पहल करते हुए इस 10 दिवसीय मेले के आयोजन को 5 दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया गया है।

गौरतलब है कि जगार मेला 10 जून से शुरू हुआ है और 24 जून तक चलेगा। इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त 12 राज्यों के हस्तशिल्पकारों को अपनी उत्पाद का प्रदर्शन-सह-विक्रय के लिए आए हुए हैं। इस अवसर पर मेला परिसर में आये लोगों के लिए प्रतिदिन संस्कृति विभाग की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। आज की सांस्कृतिक संध्या में ब्लिस डांस ग्रुप कोलकाता के 12 सदस्यों और गरियाबंद के लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति ने लोगों को थिरकने को मजबूर कर दिया। यहां बड़ी संख्या में लोग आकर अपनी मन-पसंद गृह सज्जा और सजावटी वस्तुओं के साथ-साथ पारंपरिक वस्त्रों की भी खरीददारी कर सांस्कृतिक संध्या का भी लुफ्त उठा रहे हैं। जगार मेले में अब तक 65 लाख रूपए से अधिक की बिक्री हो चुकी है। यह मेला आम लोगों के लिए प्रात: 11 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहता है।

उल्लेखनीय है कि जगार मेले में हस्तशिल्प के विभिन्न उत्पादों के साथ ही हाथकरघा, खादी ग्रामोद्योग, माटीकला के अनेक आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी बिक्री के लिए लगाई गई है। इन स्टॉलों में से छत्तीसगढ़ के लिए कुल 80 स्टॉल आवंटित किए गए हैं। वहीं मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर के शिल्पकार 60 स्टॉलों में अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं। जगार मेला-सह प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य के सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प बेलमेटल शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, बांस शिल्प कालीन शिल्प, शिसल शिल्प, गोदना शिल्प, तुमा शिल्प, टेराकोटा शिल्प, छिंद कांसा, हाथकरघा वस्त्रों में कोसे की साड़िया, दुपट्टा, सलवार सूट, ड्रेस मटेरियल, बेडशीट, चादरें एवं विभिन्न प्रकार के रेडीमेंट वस्त्र का प्रदर्शन सह-विक्रय किया जाएगा। जगार मेला-2022 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ की चिकनकरी, बनारस की बनारसी साड़ी, मध्यप्रदेश की चंदेरी, महेश्वरी एवं टीकमगढ़ का ब्रांस, पश्चिम बंगाल का जूटवर्क, कांथावर्क एवं बंगाली साड़ियों के अतिरिक्त पंजाब की फूलकारी, राजस्थान की मोजरी व गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार एवं जम्मू-कश्मीर सहित कुल 11 राज्यों की शिल्प कलाओं का संग्रह देखने को मिल रहा है।

वनोपज का उचित मूल्य मिलने पर आदिवासियों की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में विकासपरक राज्यस्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी का दंतेवाड़ा जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ने अवलोकन किया। दंतेवाड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत केशापुर, टेकनार, नेटापुर, मुरकी, मसेनार, कुपेर, कमालूर, चितलंका के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलाव और विकास कार्यों की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार आदिवासियों, किसान, मजदूर और महिलाओं के आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा और इलाज की व्यवस्था की गई है। वनांचल में आदिवासियों को समर्थन मूल्य पर एवं राजीव गांधी किसान न्याय योजना का क्रियान्वयन कर कृषि उपज खरीदी की जा रही है। इसी तरह वर्तमान महंगाई के दौर में सस्ती दरों पर धनवंतरी मेडिकल स्टोर में दवाई उपलब्ध कराया जा रहा है। गौठान और स्व-सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है, जिससे महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ रही है। इसी तरह गीदम विकासखंड के ग्राम पंचायत मोफलनार, नागुल, छोटे तुमनार, बड़ेसुरोकी, कटुलनार आदि पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके तहत पात्र लोगों को वन अधिकार पत्र प्रदान करने अनुसूचित और अन्य पारंपरिक वनवासी वन अधिकार कानून लागू किया गया है।

सम्मान समारोह में पदाधिकारियों ने कहा, फार्मेसी कालेजों के लिए नियम होंगे सख्त

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ फार्मेसी कालेज एसोसिएशन एवं छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में गत दिनों फार्मेसी क्षेत्र के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साइंस कालेज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में आयोजित समारोह में पदाधिकारियों ने कहा कि फार्मेसी कालेजों के लिए नियमों में सख्ती बरती जाएगी।

साथ ही कालेज के भवन को लेकर अधोसंरचना के नियमों में भी बदलाव और पाठ्यक्रम में भी संशोधन किया जाएगा। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. मोंटू एम. पटेल ने कहा कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया इस वर्ष से विभिन्न पाठ्यक्रमों में परिवर्तन लाने वाली है, जो कि अकादमिक, इंडस्ट्री एवं रिटेल मार्केटिंग की आवश्यकताओं के अनुरूप होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि फार्मेसी व्यवसाय को लेकर भी नियमों में प्रावधान लाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सहित

एआइओसीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएस शिंदे, डॉ. दीपेंद्र सिंह चेयरमेन ईआरसीफार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, एआइओसीडी के महासचिव राजीव सिंघल, फार्मेसी काउंसिल ऑफ़ इंडिया की पीपी एंड पीआरसी के चेयरमेन संदीप बजाज आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के प्रथम अध्यक्ष भरत बजाज का सम्मान किया गया।

छात्रों को शोध पर ध्यान देना चाहिए

एआइओसीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएस शिंदे ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में फार्मा व्यवसाय अत्यधिक विकसित हुआ है। देशभर में जितने फार्मासिस्ट तैयार हो रहे हैं, उन्हें शोध कार्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान देना चाहिए। एआइओसीडी के महासचिव राजीव सिंघल व एआइओसीडी पश्चिम क्षेत्र के सह-सचिव वैजनाथ जगुस्ते ने कहा कि बीते तीस वर्षों में दवाओं की बिक्री पांच हजार करोड़ से बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ हो चुकी है। भारत दवा उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर हैं इसलिए फार्मेसी के क्षेत्र में लगातार अपार संभावनाएं हैं।

क्या डायबिटीज रोगी खा सकते हैं सेब? यह हैं इस फल से सेहत को होने वाले अद्भुत स्वास्थ्य लाभ

डायबिटीज रोगियों के लिए अपने आहार का चयन करना हमेशा से बड़ी चुनौती रही है। अधिक शर्करा वाली चीजों के सेवन से ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का खतरा रहता है, ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ मधुमेह रोगियों को अपने लिए सब्जियों-फलों का चयन करते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। विशेषरूप से आप किन फलों का सेवन करते हैं, इसका ख्याल रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एक सवाल सभी लोगों के मन में बना रहता कि क्या डायबिटीज रोगी सेब खा सकते हैं? इसका कारण यह है कि वैसे तो सेब प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं लेकिन इसका स्वाद मीठा होता है?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज रोगियों के लिए आहार का चयन करते समय ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) पर ध्यान देना चाहिए। ग्लाइसेमिक इंडेक्स वह पैमाना है जिससे यह पता लगाया जाता है कि भोजन में पाए जाने वाले कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज बनने में कितना समय लगता है?

सामान्यतौर पर कुछ अपवादों को छोड़कर 55 से कम जीआई वाली चीजों को शुगर रोगियों के लिए सुरक्षित माना जाता है। आइए जानते हैं कि इस आधार पर क्या डायबिटीज रोगियों के लिए सेब खाना फायदेमंद है या नहीं?

डायबिटीज रोगियों के लिए सेब

आहार विशेषज्ञों का कहना है कि सेब, डायबिटीज रोगियों के लिए फायेदमंद फल हो सकता है। वैसे तो सेब में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है, लेकिन इसमें पाई जाने वाली हाई फाइबर की मात्रा आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकती है। अध्ययन से पता चलता है सेब में मौजूद फ्रूक्टोज फाइबर के कारण रक्त शर्करा का स्तर प्रभावित नहीं होता है। सेब ग्लाइसेमिक इंडेक्स के मामले में भी डायबिटीज रोगियों के लिए उचित माना जाता है। सेब का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 36 होता है जो इसे डायबिटीज रोगियों के लिए उपयुक्त फल बनाता है। यह शरीर के लिए कई अन्य तरीक से भी लाभकारी फल माना जाता है।

सेब से न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य लाभ

न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी सेब का सेवन करना लाभकारी हो सकता है। साल 2019 के एक प्रयोगशाला अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने पाया कि सेब में क्वेरसेटिन नामक एक कैमिकल कंपाउड पाया जाता है जो न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव के लिए जाना जाता है। यह उम्र से संबंधित न्यूरॉन हानि को रोकने में मदद कर सकता है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि सेब खाने वाले लोगों में अल्जाइमर रोग का जोखिम कम होता है।

कोलेस्ट्रॉल का कम होता है खतरा

साल 2013 के एक अध्ययन में पाया गया कि सेब लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर सकता है, हालांकि सेब का जूस पीने से इस तरह के प्रभाव नहीं देखे गए हैं। अध्ययन में लेखकों ने निष्कर्ष निकाला कि सेब में फाइबर होता है जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। हालांकि अगर सेब को छिलके सहित खाया जाए तो इससे और अधिक अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

मोटापे का कम होता है खतरा

साल 2019 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, सेब में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं जो आंत के स्वस्थ बैक्टीरिया को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। यह मोटापे से ग्रस्त लोगों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव डाल सकता है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि सेब का सेवन मोटापे के जोखिम को कम करने के साथ, पहले से ही मोटापे के शिकार लोगों की सेहत को सुधारने में मदद कर सकता है।

'थॉरः लव एंड थंडर': ताकतवर महिला किरदारों ने बदल दी 'थॉर' की कहानी, चार सोलो फिल्मों वाला पहला सुपरहीरो

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' की रिलीज डेट जैसे जैसे पास आती जा रही है, फिल्म से जुड़े रोचक तथ्य दर्शकों को अभी से उत्साहित करने लगे हैं। थॉर अब एमसीयू के इकलौता ऐसा सुपरहीरो है जिसकी चार सोलो फिल्में बनी हैं। ये कहानी रोचक, दिलचस्प और मनोहारी रहे, इसके लिए इसकी अवधि भी काफी कम रखी गई है। रिकॉर्ड की बात करें तो फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' एमसीयू की सबसे कम अवधि वाली फिल्म होने जा रही है। और, इस फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण होने जा रहा है ऑस्कर पुरस्कार विजेता नताली पोर्टमैन का सुपरहीरो अवतार।

फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' के टीजर और ट्रेलर से एमसीयू के प्रशंसक ये तो समझ ही गए हैं कि थॉर की दुनिया में इस बार स्त्री शक्ति का बहुत बोलबाला होने वाला है। नताली पोर्टमैन को पिछली बार एमसीयू की फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम' में एक कैमियो करते देखा गया था। लेकिन, इस बार वह न सिर्फ खेल में खुलकर हिस्सा ले रही हैं, बल्कि अपनी ताकत से पूरी दुनिया को ही हिलाकर रख देने का इरादा रखती हैं। मैंटिस, नेबुला, किंग वल्काइरी और माईटी थॉर, इन चार महिला चरित्रों को एक साथ फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' में दिखाकर मार्वल स्टूडियोज, एमसीयू की कहानी को एक नई दिशा में भी ले जाने में कामयाब होता दिख रहा है। फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' की शूटिंग के बारे में नताली कहती हैं, फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर बहुत ही मजेदार और खुशनुमा माहौल होता था। हर कोई अपने काम में मगन और प्रसन्न दिखा और सबने एक दूसरे के साथ खूब मजे भी किए। मुझे लगता है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल कैसा रहेगा, ये शीर्ष प्रबंधन से शुरू होता है। नताली के मुताबिक 'फिल्म के निर्देशक ताइका ने ये तय किया कि हम सब काम के दौरान प्रसन्न, सुखी और गर्मजोशी से भरे रहें। उन्होंने इसके लिए सबका खास ख्याल रखा कि काम के दौरान सब एक अच्छे वातावरण को अपने आसपास महसूस कर सकें।' फिल्म 'थॉर: लव एंड थंडर' भारत में 7 जुलाई को अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है।

मौनी रॉय से पहले इन हसीनाओं ने दिखाई अंधेरे की काली दुनिया, खूंखार खलनायिका के किरदार में खूब जंची

टीवी से बॉलीवुड तक अपनी छाप छोड़ने वाली मौनी रॉय अब जल्दी ही ब्रह्मास्त्र में अंधेरे की रानी बनकर डराने आ रही हैं। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है जिसमें एक्ट्रेस के खूंखार रूप ने सबके होश उड़ा दिया। हालांकि पहली बार नहीं है कि जब किसी खूबसूरत हसीना ने सकारात्मक छवि को छोड़कर इस तरह की नकारात्मक भूमिका निभाई हो। मौनी रॉय से पहले भी कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं जो पर्दे पर अपने खतरनाक रूप से लोगों के पसीने छुड़ा चुकी हैं। तो चलिए जानते हैं।

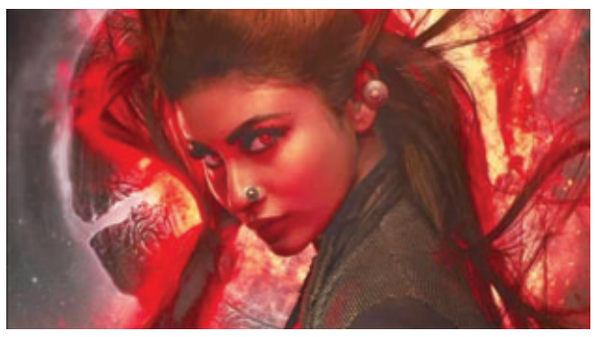

एक थी डायन में कोंकणा सेन शर्मा

'एक थी डायन' में कोंकणा सेन को डायन के रूप में ग्रे शेड किरदार में दिखाया था। फिल्म मेंउन्हें देखकर एक बारगी जरूर जाएंगे। हालांकि भले ही उन्होंने फिल्म में नेगेटिव किरदार अदा न किया हो लेकिन उनके दृश्य बेहद डरावने दिखाए गए हैं, वहीं अभिनेत्री ने भी फिल्म में अपने इर्द गिर्द रहस्य का जाल बखूबी बिछाया था।

राज 3 में बिपाशा बसु

अभिनेत्री बिपाशा बसु ने बॉलीवुड फिल्मों में कई बार खलनायिका का किरदार अदा किया है लेकिन 'राज 3' में अपनी नकारात्मक भूमिका से उन्होंने हैरान कर दिया था। फिल्म में उनके ऐसे ऐसे दृश्य हैं, जिन्हें देखने के बाद इंसान सिहर उठे। अभिनेत्री ने 'राज 3' में अपने चरित्र को इतनी अच्छी तरह निभाया था कि उन्हें इस फिल्म के लिए प्रशंसा पुरस्कार भी मिला था।

वीराना में जैस्मिन

अगर बात डरावनी फिल्मों की करें तो 'वीराना' हर किसी के जेहन में जरूर आती है। इस फिल्म में अंधेरे की काली दुनिया के खौफनाक को मंजर को बखूबी दिखाया गया है वहीं फिल्म की लीड एक्ट्रेस जैस्मिन की खूबसूरती को लोग आज तक नहीं भुला पाए हैं जो फिल्म में पलक झपकते ही दिल दहला देने वाली चुड़ैल में बदल जाती है।

कंगना रणौत

बेबाक अभिनेत्री कंगना रणौत तेज-तर्रार भूमिकाओं में तो कई बार खुद को साबित कर ही चुकी है, लेकिन इस बार हम बात करेंगे उनके नकारात्मक किरदार की। फिल्म कृष 3 में कंगना ने नेगेटिव रोल काया में अपने अभिनय को से सबके चौंका दिया था। हालांकि इस फिल्म में उनका किरदार साइंस से जुड़ा हुआ दिखाया गया था लेकिन यह पूरी तरह से किसी जादुई दुनिया में बिछे जाल की तरह था।

फिल्म अलोन में भी बिपाशा बसु ने एक खौफनाक आत्मा किरदार अदा किया था। अलोन में दो जुड़वा बहनों की कहानी थी, जो एक दूसरे से आपस में जुड़ी हुई थीं और सर्जरी के दौरान एक की मौत हो जाती है। जिसके बाद उसकी आत्मा अपनी बहन को परेशान करती है।

विजय के फैंस को बड़ा गिफ्ट देने की तैयारी में मेकर्स इस दिन रिलीज होगा 'थलापति 66' का फर्स्ट लुक

साउथ सुपरस्टार विजय 'बीस्ट' के बाद फिलहाल वामशी पेडिपल्ली के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम तो अभी तय नहीं हुआ है लेकिन अस्थायी रूप से इसे 'थलपति 66' कहा जा रहा है। इस बीच फिल्म के निर्माताओं की ओर से एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म के मेकर्स ने बताया है कि 'थलपति 66' का पहला लुक 21 जून की शाम छह बजकर एक मिनट पर आने वाला है। मेकर्स ने यह जानकारी ट्वीट के जरिए दी है। विजय के बर्थडे से पहले फैंस के लिए यह जानकारी किसी बड़े गिफ्ट से कम नहीं है। बताया जा रहा है कि विजय के फर्स्ट लुक के साथ फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया जाएगा।

विजय ने शुरू किया था ट्रेंड

बता दें कि तमिल सिनेमा में मोशन पोस्टर का ट्रेंड विजय ने ही शुरू किया था। उनकी 'कथी' तमिल सिनेमा की पहली फिल्म थी, जिसका मोशन पोस्टर जारी किया गया था। साथ ही यह विजय की आखिरी फिल्म थी, जिसका मोशन पोस्टर जारी हुआ था। जानकारी के मुताबिक विजय ने हाल ही में फिल्म के पहले लुक के लिए एक फोटोशूट पूरा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में फैंस को विजय का एक नया अंदाज देखने को मिलेगा।

फैमिली ड्रामा होगी फिल्म

यह एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें रश्मिका मंदाना, प्रकाश राज, प्रभु, योगी बाबू, शाम, श्रीनाथ, खुशबू, संगीता और संयुक्ता षणमुगनाथन शामिल हैं। इस फिल्म का म्यूजिक थमन ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी कार्तिक पलानी ने की है।

'बीस्ट' में आए थे नजर

बता दें कि विजय आखिरी बार फिल्म बीस्ट में नजर आए थे। इस फिल्म को लोगों का कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन औसत रहा था। विजय की यह फिल्म हिंदी पट्टी में भी लोगों के दिलों को नहीं छू सकी थी।

लक्ष्य के लिए मैं ही उसकी मां और पिता हूं, अपना कर्तव्य अच्छे से निभा रहा हूंः तुषार कपूर

एक्टर तुषार कपूर 2016 में सरोगेसी के माध्यम से अपने बेटे लक्ष्य के पिता बने। उनका कहना है कि वे इस भूमिका में सहज रूप से जुड़ चुके हैं। 'फादर्स डे' के मौके पर तुषार ने शेयर किया कि वे अपने पिता के कर्तव्यों से कितना प्यार करते हैं, जितेंद्र और वह डैड के रूप में कितने अलग हैं।

पिता जितेंद्र के साथ आपके संबंध कैसे रहे हैं?

हम एक-दूसरे के करीब हैं और हमारा रिश्ता सम्मान का है। हमारे रिश्ते में और भी गंभीरता है, जो बहुत अच्छी है। हर पिता और पुत्र का रिश्ता अलग होता है और हम एक दूसरे के लिए हैं। मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छा तरीका है -परिवार को मजबूत रखने के विचार को बनाए रखना जीवन जीने का सबसे अच्छा तरीका है। मैंने उन मूल्यों को अपने माता-पिता से ग्रहण किया है और मैं उनका उपयोग अपने बच्चे को पालने में कर रहा हूं।

एक पिता के रूप में, आपके पिता और आप कितने अलग या एक जैसे हैं?

पिताजी अपने समय के इस परफेक्ट इंडियन पिता की तरह रहे हैं -हम उनके ज्यादा फ्रेंडली नहीं थे। वह ज्यादातर बहुत व्यस्त रहते थे और पूरे साल काम करते थे। वह गर्मी की छुट्टियों और वेकेशंस में हमारे लिए समय निकालते थे। वहीं, जब मेरी बात आती है, तो मैं डैड और मॉम हूं। लक्ष्य मुझसे खुलकर अपने मन की बात कहता है। मुझे पता है कि मेरा बेटा स्कूल में कैसा कर रहा है या उसके असली दोस्त कौन हैं। सच कहूं तो, मुझे यह पसंद नहीं है जब लोग कहते हैं, 'आप बहुत अच्छे पिता हैं'। क्योंकि मैं सिर्फ वही कर रहा हूं जो ज्यादातर माता-पिता करते हैं। मैं सिर्फ अपना कर्तव्य निभा रहा हूं।

कुछ खास जो आपने 'फादर्स डे' के मौके पर योजना बनाई है?

लक्ष्य को कार्ड्स बनाना बहुत पसंद हैं। मुझे यकीन हैं कि वो मुझे कार्ड्स में अपने इमोशंस लिखकर जरूर सरप्राइज करेगा। इस खास मौके के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। वहीं प्लानिंग यह है कि दोपहर के भोजन के लिए किसी अच्छी जगह पर जा सकते हैं। शाम को मैं चाहूंगा कि वह अपने दोस्तों के साथ समय बिताएं। सच कहूं तो मेरे लिए हर दिन फादर्स डे है, क्योंकि मैं अपना इतना समय पालन-पोषण के कामों में लगाता हूं। वहीं, मैं अपने पापा को उनके रियल एस्टेट के काम में मदद करता हूं। इस खास अवसर पर भी मैं उनके कामों में मदद करके उन्हें खुश करूंगा (हंसते हुए)। मैं और मेरे पापा अलग-अलग घर में रहते हैं, तो फादर्स डे स्पेशल बनाने के लिए मैं लक्ष्य को उनके घर ले जाऊंगा। हम तीनों मिलकर इस स्पेशल डे को सेलेब्रेट करेंगे।

आपने अपनी किताब 'द बैचलर डैड' में अपने सिंगल पिता होने का अनुभव शेयर किया

इस किताब के जरिए मैंने ऑडियंस को लक्ष्य से जुड़े हर पहलु को पढ़ने का मौका दिया। जैसे पहले शादी का ख्याल आता था, शादीशुदा ना होने पर आप पैरेंट बनने के लिए कितना इंतजार करना पड़ेगा? मेरे परिवार वालों का क्या रिएक्शन होगा? क्या ये कंजर्वेटिव सोसाइटी एक्सेप्ट करेगी? मैंने अपने इंडियन कल्चर को ध्यान में रखकर सरोगेसी का फैसला लिया। काफी खुशी है ये देखकर कि मेरी कहानी कई लोगों के लिए प्रेरणा बनी। अब ये किताब ऑडिबल के जरिए लोगों तक पहुंचाने की प्लानिंग में हम जुट चुके हैं। मुझे यकीन है कि लोगों को हमारा ये प्रयास जरूर पसंद आएगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

बारिश शुरू होते ही खेती-किसानी में आई तेजी

रायपुर। बारिश का मौसम शुरू होते ही खेती किसानी का कार्य तेजी से शुरू हो गया है. किसान सुबह से लेकर शाम तक खेतों में नजर आने लगे हैं. दूसरी ओर खाद सहित पोटाश की कमी के चलते किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है. इसके साथ ही पिछले दो दिनों से अंचल में लगातार बारिश हुई इससे बारिश का इंतजार करते रहे किसानों के चेहरे खिल उठे हैं. खेत जोताई का कार्य तेजी से चल रहा है. सोसायटियों में खाद के लिए भी किसान रोजाना चक्कर काट रहे हैं.बारिश से एक ओर जहाँ किसानों में खुशी की लहर है तो वहीं दूसरी ओर लोगों को तेज गर्मी से भी राहत मिली है. नौतपा के बाद अचानक बढ़े तापमान से लू की स्थिति बन गई थी और लोगों को गर्मी से छुटकारा पाने के लिए बारिश का बेसब्री से इंतजार था. विगत दो दिनों से मौसम बदलने व बारिश होने से सभी ने राहत की साँस ली है।

भाजपा महिला मोर्चा की बैठक संपन्न

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा दल्ली राजहरा मण्डल में 17 जून को महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती गीता मरकाम के नेतृत्व मे बैठक आहूत की गयी। इस अवसर पर विशेष रूप से महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती शीतल नायक , महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती दीपा साहू , जिला महामंत्री एवं दल्ली राजहरा महिला मोर्चा मण्डल प्रभारी श्रीमती लीला शर्मा, जिला महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष श्रीमती किरण सिन्हा , 16 न. वार्ड की पार्षद सोहद्रा ठाकुर , पूर्व पार्षद सुखवंतिन ठाकुर उपस्थित थीं। बैठक के प्रारम्भ में प. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुख़र्जी, भारतमाता के तैल चित्र में माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया। तत्पश्चात् महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती शीतल नायक ने अपने उद्बोधनों में कहा कि नरेंद्र मोदी ने सभी माता- बहनों के लिए एक से बढ़कर एक योजनाएं लाये है। जिससे केंद्र सरकार पर आम जनता का विश्वास बढ़ा है। कहा उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय व महिलाओं पर चलाये जाने वाले विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक बूथ के हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

पीएम ने प्रगति मैदान एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना राष्ट्र को समर्पित की

श्रीकंचपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रगति मैदान एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना की मुख्य सुरंग और पांच अंडरपास राष्ट्र को समर्पित किए। एकीकृत ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना प्रगति मैदान पुनर्विकास परियोजना का एक अभिन्न अंग है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, सोम प्रकाश, श्रीमती अनुप्रिया पटेल और कौशल किशोर उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने परियोजना को केंद्र सरकार की ओर से दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ा उपहार बताया। उन्होंने यातायात की भीड़ और महामारी के कारण परियोजना को पूरा करने में चुनौती की व्यापकता का स्मरण करते हुए परियोजना को पूरा करने के लिए न्यू इंडिया की नई कार्य संस्कृति और श्रमिकों एवं इंजीनियरों को इसका श्रेय दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक नया भारत है जो समस्याओं का समाधान निकालता है, नए संकल्प लेता है और उन वादों को पूरा करने के लिए अथक प्रयास करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुरंग 21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से प्रगति मैदान को बदलने के अभियान का हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि भारत को बदलने के बावजूद, देश को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए निर्मित प्रगति मैदान राजनीतिक इच्छाशक्ति और पहल की कमी के कारण पिछड़ गया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से प्रगति मैदान की ज्यादा प्रगति नहीं हुई ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व में अत्यंत धूमधाम और प्रचार के बावजूद ऐसा नहीं किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार देश की राजधानी में विश्व स्तरीय कार्यक्रमों के लिए प्रदर्शनी हॉलों और अत्याधुनिक सुविधाओं की दिशा में निरंतर रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने द्वारका में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक्सपो सेंटर और पुनर्विकास परियोजना जैसे प्रतिष्ठानों के बारे में चर्चा करते हुए इसे प्रगति मैदान से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा विकसित आधुनिक बुनियादी ढाँचा दिल्ली का परिदृश्य बदलते हुए इसे आधुनिक बना रहा है। परिदृश्य में हो रहा यह बदलाव भावी नियति को बदलने का एक माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर दिया जा रहा यह ध्यान, आम लोगों के जीवन को आसान बनाने से प्रेरित है। उन्होंने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और जलवायु के प्रति जागरूक बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता को भी दोहराया। प्रधानमंत्री ने अफ्रीका एवेन्यू और कस्तूरबा गांधी रोड पर नए रक्षा कार्यालय परिसर का उदाहरण दीर्घकाल से लंबित समस्याओं से निपटने, पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और देश के लिए कार्य करने वालों की देखभाल के एक दृष्टांत के रूप में दिया। उन्होंने इस बात पर भी संतोष व्यक्त किया कि सेंट्रल विस्टा परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और कहा कि आने वाले दिनों में भारत की राजधानी विश्व स्तर पर चर्चा का विषय और भारतीयों के लिए गर्व की बात होगी।

जीएसटी दरों के युक्तिकरण और जीएसटी कानून एवं नियमों की नए सिरे से समीक्षा की कैट ने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जीएसटी काउन्सिल द्वारा जीएसटी दरों के युक्तिकरण के प्रयासों की सराहना की है और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से आग्रह किया है कि दरों को युक्तिसंगत बनाने के साथ-साथ जीएसटी अधिनियमों और नियमों की नए सिरे से समीक्षा भी की जानी चाहिए क्योंकि मौजूदा जीएसटी ढाँचे के सरलीकरण की बहुत आवश्यकता है।

कैट ने इस मांग रखने के संबंध में देश के सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों से मिलने की योजना बनाई है। कैट 25-26 जून, 2022 को नागपुर में देश के ट्रेड लीडर्स का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है, जो जीएसटी एवं ई-कॉमर्स दोनों पर एक राष्ट्रीय अभियान की रणनीति तैयार करेगा । यह अभियान सारे देश में एक साथ 1 जुलाई से शुरू होगा। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान सभी राज्यों के लगभग 100 प्रमुख व्यापारी नागपुर सम्मेलन में व्यापारियों के अन्य अनेक ज्वलंत मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे ।

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट ने कुछ दिन पहले वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और जीएसटी अधिनियम और नियमों के सरलीकरण एवं जीएसटी के कर आधार को व्यापक बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जिससे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को अधिक राजस्व प्राप्त होगा। उन्होंने देश के प्रत्येक जिले में एक संयुक्त जीएसटी समिति के गठन का भी सुझाव दिया जिसमें जीएसटी के वरिष्ठ कर अधिकारी और संबंधित जिले के व्यापारिक नेता शामिल हों। समिति को जीएसटी कार्यान्वयन की निगरानी और व्यापारियों की शिकायतों के निवारण का कार्य सौंपा जाना चाहिए और जीएसटी के तहत अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सभी प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्टेकहोल्डर्ज़ से परामर्श के बाद जीएसटी की दर को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने टेक्सटाइल और फुटवियर को 5 प्रतिशत के टैक्स स्लैब के तहत रखने पर बहुत जोर दिया।

श्री पारवानी एवं दोशी ने कहा कि देश के व्यापारिक समुदाय का विचार है कि वर्तमान में बड़ी संख्या में विभिन्न आइटम कर की दर के गलत ब्रैकेट में आती हैं और इसलिए दरों को युक्तिसंगत बनाने से पुनर्रचना का अवसर मिलेगा साथ ही विसंगतियों और असमानताओं से बचने के लिए जीएसटी टैक्स स्लैब को ठीक करने तथा सही टैक्स रेट में सही आइटम रखने का अवसर मिलेगा।

श्री पारवानी और श्री दोशी दोनों ने कहा कि कैट के झंडे तले देश के व्यापार संघों ने कर दरों को युक्तिसंगत बनाने पर आपसी चर्चा को शुरू कर दिया है। हालांकि यह एक बहुत ही प्रारंभिक चरण है, लेकिन यह माना जाता है कि छूट वाली श्रेणी में केवल आवश्यक वस्तुओं को शामिल किया जाना चाहिए और कच्चे माल या किसी भी तैयार उत्पाद के अभिन्न अंग के रूप में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और रोटी, कपड़ा और मकान से संबंधित वस्तुओं के लिए 5 प्रतिशत टैक्स स्लैब बनाया जाना चाहिए। व्यापारियों का यह भी विचार है कि 12 प्रतिशत टैक्स स्लैब को समाप्त कर दिया जाना चाहिए और इसके स्थान पर 14 प्रतिशत का एक नया स्लैब जो कि 12 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की राजस्व तटस्थ दर है, को वर्तमान में 18 प्रतिशत टैक्स स्लैब में आने वाली वस्तुओं के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उच्च मूल्य की वस्तुओं जैसे सोना, चांदी, इसके आभूषण आदि को 1 प्रतिशत कर की दर के तहत रखा जाना चाहिए। 28 प्रतिशत के स्लैब को केवल उच्च वर्ग के लोगों के इस्तेमाल की वस्तुओं तक ही सीमित रखा जाना चाहिए और 28 प्रतिशत की शेष वस्तुओं को 14 प्रतिशत टैक्स स्लैब के तहत वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

श्री पारवानी और श्री दोशी दोनों ने कहा कि 5 प्रतिशत के स्थान पर एक नया टैक्स स्लैब बनाने के लिए, या कोई अन्य नया स्लैब बनाने के लिए, सभी हितधारकों से एक व्यापक राय ली जानी चाहिए क्योंकि यह मामला सीधे देश के व्यापारिक समुदाय से संबंधित है। उन्होंने कहा कि दरों को युक्तिसंगत बनाने के मापदंडों को तय करने के लिए दर कम-उच्च अनुपालन को एक मौलिक प्रावधान के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

भारत में स्कूली शिक्षा में आईसीटी के उपयोग को यूनेस्को की मान्यता मिली...

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान पीएम ईविद्या नामक एक व्यापक पहल के अंतर्गत आईसीटी का उपयोग करने के लिए यूनेस्को की मान्यता प्राप्त की है। 17 मई, 2020 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में पीएम ई-विद्या की शुरुआत की गई थी, जो डिजिटल/ऑनलाइन/ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करता है ताकि बच्चों को प्रौद्योगिकी का उपयोग करके शिक्षा प्रदान करने और सीखने के नुकसान को कम करने के लिए मल्टी-मोड एक्सेस को सक्षम किया जा सके।

केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईईटी), स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल), शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की एक घटक इकाई को यूनेस्को के वर्ष 2021 के लिए शिक्षा में आईसीटी के उपयोग के लिए किंग हमद बिन ईसा अल-खलीफा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार सतत विकास के लिए वर्ष 2030 एजेंडा और शिक्षा पर इसके लक्ष्य 4 के अनुरूप, सभी के लिए शैक्षिक और आजीवन सीखने के अवसरों का विस्तार करने के लिए नई तकनीकों का लाभ उठाने में नवीन दृष्टिकोणों को मान्यता प्रदान करता है। बहरीन साम्राज्य के समर्थन से वर्ष 2005 में स्थापित यह पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को पुरस्कृत करता है जो उत्कृष्ट परियोजनाओं को लागू कर रहे हैं और डिजिटल युग में सीखने, शिक्षण और समग्र शैक्षिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकियों के रचनात्मक उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। एक अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मण्डल प्रति वर्ष दो सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं का चयन करती है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता को पेरिस में यूनेस्को मुख्यालय में एक समारोह के दौरान 25,000 अमेरिकी डॉलर, एक पदक और एक डिप्लोमा प्रदान किया जाता है, जो इस वर्ष 24 जून, 2022 को आयोजित किया जाएगा।

सभी के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और देश में शैक्षिक प्रणाली में समानता लाने के लिए सस्ती प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए, सीआईईटी, एनसीईआरटी के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय बड़ी संख्या में ई-बुक्स, ई-कंटेंट - ऑडियो, वीडियो, इंटरेक्टिव, ऑगमेंटेड रियलिटी कंटेंट, इंडियन साइन लैंग्वेज (आईएसएल) वीडियो, ऑडियोबुक, टॉकिंग बुक्स आदि के डिजाइन, विकास और प्रसार में अथक और सावधानी से काम कर रहा है; स्कूल और शिक्षक शिक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के ई-पाठ्यक्रम; ऑनलाइन/ऑफलाइन, ऑन-एयर टेक्नोलॉजी वन क्लास-वन चैनल, दीक्षा, ईपाठशाला, निष्ठा, स्वयं प्लेटफॉर्म पर स्कूल एमओओसी आदि का लाभ उठाकर मुख्य रूप से छात्रों और शिक्षकों के लिए ऑनलाइन क्विज़ जैसे डिजिटल कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के लिए भोरमदेव मंदिर परिसर का चयन, कलेक्टर ने किया आयोजन स्थल का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। अतंराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2022 को इस बार छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक, एवं पर्यटन महत्व के स्थल भोमदेव मंदिर परिसर के आस-पास महोत्सव स्थल पर होगा। भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के पुरातात्विक और धार्मिक महत्व के स्थल कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर को शामिल किया गया है। जहां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय स्तर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

यह कार्यक्रम सुबह 6 बजकर 30 मिनट से प्रारंभ होगा, जिसका प्रसारण राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य मंत्री आदिम जाति कल्याण विभाग भारत सरकार श्रीमती रेणुका सिंह होगी। मौसम और बरसात की स्थिति को देखते हुए यहां योग करने वालों को पानी से बचाने के लिए डोम एवं वाटरप्रुफ की व्यवस्था की जा रही है। योगा दिवस की तैयारियां शुरू हो गई है। कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भोरमदेव महोत्सव स्थल में आयोजित की तैयारियों के लिए अधिकरियों के साथ अवलोकन किया। कलेक्टर के साथ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह ने भी आयोजन की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस मौके पर अपर कलेक्टर श्री बीएस उइके, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर, एसडीएम श्री पीसी कोरी, विनय सोनी, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल उपमहाप्रबंधक श्री एस पाठक, पर्यटन अधिकारी श्री राकेश शर्मा सहित अन्य प्रशानिक अधिकारी उपस्थित थे। योगा प्रात: 6.30 बजे प्रारंभ होगाआजादी के 75वी वर्षगांठ अमृत महोत्सव के अवसर पर 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय द्वारा देशभर के 75 पर्यटन स्थानों का चयन किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ के पुरातात्विक और धार्मिक महत्व के स्थल एकमात्र कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर का चयन किया गया है। योग कार्यक्रम भोरमदेव परिसर में सुबह 6.30 बजे प्रारंभ होगा। जिसमे जिले के सभी नागरिक भाग ले सकते हैं। योग में शामिल होने के लिए प्रत्येक नागरिक को पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून भोरमदेव परिसर में सुबह 5.30 से 6.00 बजे तक प्रतिभागियों को उपस्थित होना है। 6 बजे से 6.40 तक मुख्य अतिथि एवम अन्य अतिथियों का स्वागत एवम उदबोधन होगा। 6.40 से 7 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संबोधन किया जाएगा। 7 बजे से 7.45 तक योगा कार्यक्रम संचालित होगा। 7.46 को राष्ट्रगान और 7.48 को कार्यक्रम का समापन होगा। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एनसीसी, एनएसएस के कैडेड, स्कूल कॉलेज के विद्यार्थी, शिक्षक, योगा संस्था, पर्यटन व्यवसाय से जुड़े नागरिक, जिले के विशिष्ट जन, अधिकारी, कर्मचारी तथा आम नागरिक शामिल हो सकते है। लगभग 2 हजार प्रतिभागियों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए पूरी व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। योगा परिसर में ग्रीन मैट, मंच व्यवस्था, बैक ड्रॉप सहित अन्य व्यवस्था करने कहा। योगाभ्यास के लिए योग गुरु और 20 योगा शिक्षक उपस्थित रहेंगे।

दीदी मां नीलम आनंद की 17वीं पुण्यतिथि पर भजन कीर्तन सम्पन्न

सूरजपुर। शिव-शिष्य परिवार सूरजपुर जिला द्वारा दिवंगत शिव शिष्या मां दीदी नीलम आनंद की 17वीं पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय शिव मंदिर प्रांगण में शुक्रवार को किया गया। झमाझम बारिश के बावजूद भी पूरे जिलेभर से सैकड़ों की संख्या में शिव शिष्य परिवार के गुरु भाई बहन उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीदी नीलम के छाया चित्र पर शिव-शिष्यों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर तथा शिव शिष्या का चिराग एक-एक व्यक्ति में चेतना जगाने के संकल्प से की गई। इसके बाद दिवंगत दीदी द्वारा रचित 'जाग-जाग महादेव' 'जगादा महादेव' के भजन की प्रस्तुति के साथ शिव चर्चा कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

खास-खबर

पुलिस ने अभियान चलाकर की सार्वजनिक जगहों पर शराब पिलाने वाले 26 पर कार्रवाई

बलौदाबाजार (ए)। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर जिला पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। इस के तहत जिला पुलिस ने ऐसे स्थानों पर पहुंच शराब पी रहे लोगों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की है। निरीक्षक विजय चौधरी एवं निरीक्षक यदुमणी सिदार के संयुक्त नेतृत्व में पुलिस ने रविवार को शहर एवं बाईपास स्थित ढाबों में दबिश देकर शराब पिला रहे 4 ढाबा संचालकों सहित शराब पी रहे 26 लोगों पर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

इनके खिलाफ की गई कार्रवाई

दीपक फेकर पनगांव, शत्रु हन बंजारे पनगांव, संतोष जायसवाल राधा विहार कालोनी , अश्वनी साहू डमरू, शीतल पोर्ते बिल्हा, अवध राम मिरी पनगांव, शेख इकबाल इंदिरा कालोनी बलौदाबाजार, दिलीप फेकर संजय कालोनी बलौदाबाजार, अजय सागर स्वीपर कालोनी बलौदाबाजार, मंगू पाडे, रेवेन्द्र साहू सकरी, राजा ठाकुर सिविल लाइन बलौदाबाजार, गजानंद साहू सकरी, अनिल पटेल परसाभदेर, राकेश ध्रुव सिविल लाइन बलौदाबाजार, प्रभास सागर आजाद चौक बलौदाबाजार, अजय बंजारे बिजराडीह, अंकुर त्रिपाठी गार्डन चौक बलौदाबाजार, आशा गेण्डरे छुईहा, सुरज पटेल बलौदाबाजार, दुर्गा सागर नयापारा आजाद चौक बलौदाबाजार, ज्वाला सिंह लवन रोड बलौदाबाजार, अमिल पोर्ते बसना, लीलाधर साहू साकिन सकरी एवं दिनेश कुमार टंडन साकिन बिलाईबाजार थाना कुसमुडा जिला कोरबा को गिरफ्तार उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

कबिपाड़ा के पास यात्रियों से भरी बस से टकराया ट्रक, कई सवार हुए घायल

महासमुंद (ए)। बरगढ़ जिला बरपाली कबिपाड़ा के पास रविवार सुबह जोरदार टक्कर हुई। दुर्घटना सरकारी बस और ट्रक के बीच हुई। इसमें ड्राइवर सहित अनेक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मालकानगिरी से झारसुगुड़ा जा रही सरकारी बस नंबर ओडी एल 3082 रविवार सुबह लगभग 5 बजे बरगढ़ जिला के बरपाली ब्लॉक के कबिपाड़ा रास्ते से होते हुए बरगढ़ आ रही थी। तभी विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रक के चालक ने संतुलन खो दिया और सामने से बस में जा टकराई। ट्रक टकराने के बाद बस सड़क किनारे बिजली के खंबे से जा टकराई। बिजली का खंबा सहित तारें टूट कर बस पर जा गिरी। अंत में बिजली कनेक्शन को काटकर सभी यात्रियों को बस से लोगों ने निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

खबर मिलते ही हेंडलूम मिनिस्टर रीता साहू बरपाली अस्पताल पहुंचीं और घायलों से मुलाकात कर उचित चिकित्सा प्रदान करने के लिए चिकित्सकों को निर्देशित किया। दुर्घटना बड़ी थी, लेकिन अभी तक इसमें किसी भी प्रकार की जनहानि की बात सामने नहीं आई है।

शादी करने का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

भिलाई। पुरानी भिलाई पुलिस ने महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी सैम देवांगन निवासी सुभाष चौक को गिरफ्तार किया है। शनिवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को 30 वर्षीय सुपेला निवासी महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 376 और 506 के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस को पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। दो दिन पहले जब उसने बात की तो आरोपी ने उससे शादी करने के मना कर दिया। इसके बाद महिला ने थाने पहुंचकर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। आरोपी जेल भेज दिया गया है।

13 दिन में तीसरी हत्या: दिव्यांग महिला को गला दबाकर मार डाला, सड़क पर फेंकी दी लाश

बालोद (ए)। दल्लीराजहरा से चार दिन पहले कसहीकला आई 30 वर्षीय भारती मंडावी की किसी अज्ञात व्यक्ति ने हत्या कर उनकी लाश को अर्जुन्दा क्षेत्र के ग्राम नवागांव (डुण्डेरा) रेहची कच्ची मार्ग में फेंक दिया। रविवार को सुबह ग्रामीणों ने महिला की लाश को देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद अर्जुन्दा पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

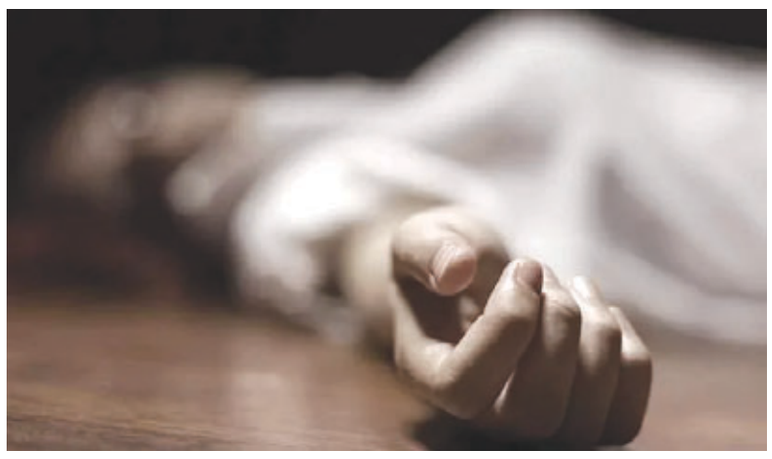

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि सुबह 8 बजे के बाद खेत जाने वाले लोगों ने लाश देखा। आशंका है कि महिला की हत्या कसहीकला में हुई है। जिसके बाद रात में ही 10 किमी दूर नवागांव (डुण्डेरा)-रेहची मार्ग में लाश को फेंका गया है। शाम गुंडरदेही में महिला डॉक्टर ने लाश का पीएम किया। पीएम रिपोर्ट में महिला की गला दबाकर हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस को मृतका के दूसरे पति पर शक है। क्योंकि जब पुलिस टीम कसहीकला गई तो वह फरार था।

घटनास्थल पर जब पुलिस पहुंची तब महिला के बाएं पैर में कपड़ा बंधा हुआ था। पुलिस के अनुसार रात में कसहीकला में महिला व उनके दूसरे पति व परिवार के सदस्यों के बीच विवाद होने की जानकारी मिली है। आशंका है कि इसी दौरान मारपीट कर, गला दबाकर महिला की हत्या की गई होगी। जब महिला की मौत की जानकारी हुई होगी तो लाश को बाइक के माध्यम से सड़क में फेंक दिया होगा। मृतका की मां व पिता ने भी पुलिस के सामने आशंका जताई है कि कसहीकला में विवाद के बाद बेटी की हत्या की गई है। चार दिन पहले बेटी दल्लीराजहरा में थी। तब एक रिश्तेदार ने किसी का प्रसव होने वाला है कहकर दल्लीराजहरा से कसहीकला ले आई थी। जहां उनकी हत्या कर दी गई। कसहीकला में दूसरा पति के साथ निवासरत थी। दो साल पहले महिला ने दूसरी शादी की थी। जबकि उनके पहले पति ने भी दूसरी शादी कर ली है। ऐसा परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस कह रही है।

देर शाम तक आरोपी की तलाश करती रही पुलिस

पुलिस विभाग के अनुसार इस साल जून में 13 दिन में हत्या की तीन घटनाएं हो चुकी है। ऐसी स्थिति पहली बार बनी। दो हत्या के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी उसी दिन हो गई थी। इस मामले में देर शाम तक आरोपी की तलाश पुलिस करती रही। 11 जून को देवरी थाना अंतर्गत ग्राम भंडेरा में घनश्याम साहू (40 वर्ष) ने मामूली विवाद पर अपनी पत्नी माना बाई की हत्या कर दी थी। वहीं 7 जून को ग्राम सांकरा श्मशान घाट के पास बरही निवासी रवि ने छात्रा की हत्या कर दी थी। छात्रा स्कूटी में सवार होकर अकेली बरही से करहीभदर ट्यूशन पढ़ने जा रही थी। तभी आरोपी ने सांकरा के पास स्कूटी को रुकवाया लेकिन छात्रा नहीं रुकी तो गुस्से में पीछे से गर्दन पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर जमीन में गिरा दिया। इसके बाद चाकू से गले पर वार कर दिया। जिससे मौत हो गई।

यह हत्या है, आरोपी की तलाश जारी: एएसपी

एएसपी प्रज्ञा मेश्राम ने बताया कि नवागांव के पास महिला का शव मिला था। जिसकी शिनाख्त हो चुकी है। महिला का नाम भारती मंडावी है। जिसकी हत्या कर अज्ञात आरोपी ने शव को रास्ते के पास फेंक दिया था। अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द पुलिस की गिरफ्त में होगा। मृतका के माता-पिता दल्ली में रहते हैं।

महिला के माता-पिता से ले चुके हैं बयान: टीआई

अर्जुन्दा के टीआई विरेंद्र सिंह नुरेसिया ने बताया कि मृतका बाएं हाथ से दिव्यांग थी। हत्या किसलिए हुई है, यह आरोपी को पकड़ने के बाद मालूम होगा। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मृतका के माता-पिता से बयान लेने की कार्यवाही हो चुकी है। महिला की पहचान हुई तब पीएम के लिए लाश को गुंडरदेही भेजा गया।

रायपुर पुलिस ने 200 लोगों का मोबाइल खोजकर दिए

रायपुर (ए)। रायपुर पुलिस ने गुम हो चुके मोबाइल फोन के मालिकों का फोन खोज कर भरोसा जीता है। रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की टीम ने लगभग 50 लाख कीमत के गुम हुए कुल 200 मोबाइल फोन को ढूंढ निकाला। इन मोबाइल को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध अभिषेक माहेश्वरी ने मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों को सौंपा।

गुम मोबाइल फोन की घटना को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर तारकेश्वर पटेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध अभिषेक माहेश्वरी को गुम मोबाइल फोन बरामद करने निर्देशित किया था।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की टीम ने आवेदकों के आवेदनों पर गुम हुए मोबाइल फोन को ढूंढने का विशेष अभियान चलाया। एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की टीम बीते दो माह में आवेदकों के गुम हुए 200 मोबाइल फोन को बरामद किया।

मिली जानकारी के अनुसार कुछ फोन को दूसरे राज्यों से मंगवाया गया है। इसमें ओडिशा और उत्तरप्रदेश है। जिन्हें डाक के माध्यम से मंगवाया गया। दरअसल अगर किसी को मोबाइल फोन कहीं मिलता है या फिर कोई चुराकर बिना बिल के बेच देता है।

सामने वाले व्यक्ति को फोन के बारे में कोई जानकारी नहीं रहती है। ऐसे में पुलिस आईएमआई नंबर के जरिए फोन को खोज लेती है। जिनके पास भी फोन था उन्हें फोन कर बताया गया कि वे जो फोन उपयोग कर रहे हैं, वह या तो चोरी का है। सामने वाले को रायपुर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट का पता देकर फोन डाक के माध्यम से मंगवाया गया।

पड़ोसी ही निकला महिला की हत्या की आरोपी

गाली गलौज कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के चलते गला दबाकर कर दी थी हत्या

राजिम (ए)। गोबरा नवापारा थाना अंतर्गत ग्राम लखना में माह भर पूर्व हुए वृद्ध महिला के अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली। मृतका का हत्यारा उसका पड़ोसी देवराज यादव (31) निवासी जोगीबाबापारा, लखना ही निकला। आरोपित ने हत्या करना कबूल किया है।

ज्ञात हो कि माह भर पूर्व प्रार्थी खोरबहरा राम निषाद ने थाना गोबरा नवापारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बुआ केशर बाई निषाद पति स्व. कार्तिक राम निषाद (57) निवासी जोगीबाबा पारा, लखना अपने मकान में अकेले रहती थी। 20 मई को केशर बाई निषाद रात में अपने घर में सोई थी। 21 मई को प्रात: 8 बजे तक केशर बाई के सोकर नहीं उठने पर प्रार्थी ने जाकर देखा तो केशर बाई मृत अपने बिस्तर पर पड़ी थी। गले के बायीं तरफ में खरोंच कालापन का निशान था। मृतका के शार्ट पीएम रिपोर्ट में डाक्टर ने मौत गला दबाने पर दम

घुटने से होना लेख किया है। जिस पर अज्ञात आरोपित के विरुद्ध थाना गोबरानवापारा पुलिस जांच में जुट गई थी।

वरिष्ठ अधिकरियों के निर्देशन में एंटी क्राइम व साइबर यूनिट तथा थाना गोबरानवापारा की संयुक्त टीम ने अज्ञात आरोपित की पतासाजी शुरू की। टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी व घर के अन्य सदस्यों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान टीम के सदस्यों को जानकारी प्राप्त हुई कि मृतका के पड़ोस में रहने वाले देवराज यादव का मृतका से पुरानी बातों को लेकर हमेशा विवाद होता था। जिस पर टीम के सदस्यों ने देवराज यादव के संबंध में जानकारी एकत्र करना प्रारंभ किया गया। इसी दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि देवराज यादव देर रात्रि मृतका के घर के आस-पास संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा गया था, कि देवराज यादव को पकड़कर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उसने हत्या करना स्वीकार किया। पूछताछ में आरोपित देवराज यादव ने बताया कि मृतका केशर बाई निषाद, देवराज यादव व उसके परिवार के लोगों को रोज रोज गाली गलौज कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी जिससे परेशान होकर उसने मौका पाकर दिनांक घटना को मृतका के घर जाकर सोए हालत में उसका गला दबाकर हत्या कर दी। आरोपित को गिरफ्तार कर कब्जे से पहने हुए कपड़े को जब्त किया गया।

प्रतिबंधित नशीली दवा के साथ एक गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के सिविल लाइन थाना पुलिस ने 400 प्रतिबंधित नशीली दवा (टेबलेट) के साथ आरोपित मो. सरफराज को गिरफ्तार किया है। आरोपित चौरसिया कालोनी संतोषी नगर रायपुर का रहने वाला है। उसने ओडिशा के कटक से दवा लाना बताया। नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

थाना सिविल लाइन को शुक्रवार की रात को सूचना मिली कि फारेस्ट कालोनी के पीछे सड़क किनारे पंडरी के पास एक व्यक्ति दोपहिया वाहन लिए खड़ा है, जो प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बेचने के फिराक में है। इस पर पुलिस वहां पहुंची और बताए हुलिए के आधार पर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। वाहन की तलाशी ली तो डिक्की में नशीली दवा मिली। आरोपित से दवा के वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह प्रस्तुत नहीं कर सका। वह टीम को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन कड़ाई बरतने पर सब कुछ उगल दिया। उसे गिरफ्तार कर बाइक और दवा जब्त कर ली गई।

जल्द हो सकती है बड़ी कार्रवाई

आरोपित सरफराज ने नशीली दवा बेचने के मामले में रायपुर के कुछ और लोगों के नाम उगले हैं। उन पर जल्द ही बड़ी कार्रवाई हो सकती है। बता दें कि ओडिशा के कटक से रायपुर सहित अन्य जिलों में दवा की सप्लाई हो रही थी। इस पर पिछले दिनों नारकोटिक्स सेल ने प्रतिबंधित नशीली टेबलेट, सीरप और गांजे के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की थी। सबसे बड़े सप्लायर सहित ओडिशा से कई लोगों को गिरफ्तार किया था। अब फिर से नया तस्कर गैंग सक्रिय हो गया है।

Authorised For :
SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

दुर्ग-भिलाई के 14 गणमान्यों को मिली इंटेक की लाइफ मेम्बरशिप

भिलाई। दुर्ग-भिलाई के जाने माने 14 शिक्षाविद, साहित्यकार, कलाकार व सामाजिक कार्यकर्ताओं को भारतीय सांस्कृतिक निधि नईदिल्ली ने लाइफ मेम्बरशिप प्रदान की। इंटेक की सदस्य-सचिव सुश्री सी. मिश्रा ने इंटेक दुर्ग-भिलाई अध्याय द्वारा अनुशंसित व्यक्तियों को उनके क्षेत्र में दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान तथा विरासत के संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्दाता के आलोक में लाइफमेम्बरशिप हेतु मान्य किया। लाइफमेम्बरशिप हासिल करने वालों में है, सुप्रसिद्द साहित्यकार रवि श्रीवास्तव, विनोद साव व शरद कोकास, शिक्षाविद डॉ हंसा शुक्ला, डॉ रक्षा सिंह, डॉ संध्या मदनमोहन श्रीवास्तव, प्रो विकास पंचाक्षरी व प्रज्ञा सिंह, प्रसिद्द चित्रकार सुनीता वर्मा व महेंद्र देवांगन, कवि कमलेश चन्द्राकर इनके अलावा शिक्षाविद डॉ अजय कुमार चौबे व डॉ आर पी अग्रवाल, दीपक दास तथा अरुण अग्रवाल को सामान्य सदस्यता प्रदान की गई।

विधायक देवेंद्र ने की घोषणा, आंध्रमाला समाज स्कूल में बनेगा स्मार्ट ई क्लास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से सेक्टर 6 वार्ड 63 आंध्र माला समाज में पेवर ब्लॉक एवं शौचालय निर्माण किया जाएगा। जिसका आज भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन रविवार की सुबह किया गया। करीब 8 लाख की लागत से होने वाले इस विकास कार्य के भूमिपूजन में मुख्यअतिथि के रूप में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव उपस्थित रहे।विधि विधान के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंत्रोंचार कर पूजा अर्चना की गई।

वार्ड पार्षद व एमआईसी मेंबर साकेत चंद्राकर, पार्षद सेवन कुमार और सीनियर पार्षद मालती ठाकूर ने समाज के लोगों के साथ मिलकर भूमिपूजन किया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक की पहल से उनके समाज के हित में विकास कार्य हो रहे है। आगे भी विधायक देवेंद यादव उनके समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे और हम सब मिलकर समाज हित में काम करेंगे।इस अवसर पर विधायक देवेंद्र यादव ने समाज के लोगों के साथ मिलकर बातचीत की।

विधायक ने कहा कि आंध्रा माला समाज का भिलाई में बहुत बड़ा और मजबूत योगदान रहा है। इसलिए हम सब बैठकर चर्चा करते हैं कि भिलाई और समाज के हित और विकास के लिए और क्या कर सकते हैं। इस अवसर पर समाज के लोगों ने स्कूल में हाईटेक लाइब्रेरी और कम्प्यूटर आदि की मांग की। साथ ही बोर व सामुदायिक भवन की मांग रखी। इस पर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि ये सब काम तो वे कर देंगे। इसकी उन्होंने मोके पर ही घोषणा कर दी। और शौचालय व पेवर ब्लॉक का भूमिपूजन कर काम भी जल्द शुरू करा देंगे। आगे उन्होंने कहा कि यह सब काम होते रहेंगे, उनकी इच्छा है कि वे इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य के लिए कुछ अच्छा करें, ऐसा कुछ कि आने वाले पीढ़ी को बड़ा लाभ मिल सकें। इस पर समाज के लोगों ने कहा कि स्कूल में गरीब बच्चों को फ्री में पढ़ाते हैं। आधुनिकता के इस जमाने में ये बच्चे भी कदम से कदम मिलाकर चल सकें। इसके लिए यहां हाईटेक स्मार्ट ई क्लास रूम बनाया जाएगा। जहां ऑन लाइन पढ़ाई करने के साथ ही अन्य सभी जरूरी सुविधाएं हो। इस पर विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि वे जल्द ही स्मार्ट क्लास रूम बनवाएंगे। यह उनका वादा है।

इस अवसर पर सभापति गिरवर बंटी साहू, लोककर्म प्रभारी व विधायक प्रतिनिधि एकांश बंछोर, एमआईसी मेंबर लक्ष्मीपति राजू, अभय सोनी, राम मोहन, सौरभ, उमाकांत, टीपी वर्मा, नीलम चिन्ना केसवलू, ईशा आदि नारायण, चन्द्र शेखर राव, ए रमेश कुमार, के कोंडल राव, सीएच श्रीनिवास, सी श्रीनिवास, शिवा बाबू राव, बूज्जी, एल्डरमेन नरसिंग नाथ आदि शामिल रहें।

गृह मंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा योग दिवस का कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

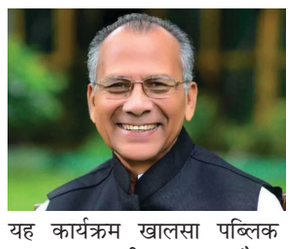

दुर्ग। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन दिनांक 21 जून को जिला प्रशासन की ओर से किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू होंगे। जिले में वृहद रूप से इसे आयोजित किये जाने हेतु दुर्ग कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे द्वारा योग दिवस कार्यक्रम की तैयारी एवं सम्पन्न कराये जाने हेतु जिला अधिकारियों को दायित्व सौंपा गया है। कलेक्टर महोदय जी के निर्देशानुसार योग दिवस कार्यक्रम इस वर्ष धार्मिक/ऐतिहासिक/पर्यटक स्थलों में किया जाना है, जिसके तहत ऐतिहासिक भवन कलेक्टोरेट परिसर के सामने शताब्दी गार्डन पर माननीय मंत्री ताम्रध्वज साहू, लोक निर्माण गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, छ.ग. शासन के मुख्य आतिथ्य में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, अधिकारी एवं कर्मचारियों की गरिमामय उपस्थिति में प्रात: 07:00 बजे से 08:00 बजे तक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बारिश होने की स्थिति में यह कार्यक्रम खालसा पब्लिक स्कूल, मालवीय नगर चौक, जिला- दुर्ग में आयोजित किये जावेंगे। उक्त कार्यक्रम योग प्रशिक्षकों (मास्टर ट्रेनर) के द्वारा योगाभ्यास कराया जायेगा । गौरतलब है कि भारत सरकार आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के पत्रानुसार इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन धार्मिक / ऐतिहासिक व पर्यटन स्थलों पर किया जाना है। जिला स्तरीय कार्यक्रम के अतिरिक्त विकासखण्ड पाटन के ग्राम पंचायत कौही (धार्मिक स्थल) व विकासखण्ड धमधा के ग्राम पंचायत सगनी (धार्मिक / ऐतिहासिक स्थल) में भी योगाभ्यास कार्यक्रम 21 जून को आयोजित किया जा रहा है, साथ ही स्थानीय स्तर पर सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर भी यह कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा।

कबीर सत्संग के दौरान चार ने किया देहदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मानवता की भलाई के लिए देहदान की उत्कृष्ट पहल करने वालों में कबीर आश्रम, निर्मल ज्ञान मंदिर के चार अन्य सदस्यों का नाम शामिल हो गया है। प्रणाम संस्था के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के माध्यम से नेहरू नगर स्थित कबीर आश्रम से देहदान करने वाले सदस्यों की संख्या 102 तक पहुंच गई है । कबीर जयंती के खास मौके पर सत्संग के दौरान देहदान करने वालों में भिलाई तीन दर्शन मंदिर के साहू दंपति भुवन लाल साहू और उनकी पत्नी श्रीमती गायत्री साहू के अलावा बालोद की सुश्री उमेश्वरी देशमुख एवं सेक्टर-10,भिलाई के रमेश आडिल ने शासकीय आयुर्वेदिक कॉलेज,रायपुर मरणोपरांत देहदान की वसीयत जारी की ।

कबीर जयंती के कार्यक्रम के दौरान संत लखन साहेब जी की विशेष उपस्थिति में देहदान हेतु विशेष सत्र आयोजित किया गया था । जिसमें विशेष सहभागिता देने वालों में प्रनाम के सदस्य रमेश भारती,पवन केसवानी एवं विपिन जैन के अलावा निर्मल ज्ञान मंदिर के अध्यक्ष डॉ हीरालाल साहू, सचिव आत्माराम साहू, प्रेमादास साहू,गौकरण लाल साहू, मतरूराम साहू, खिलावन प्रसाद साहू, दलजीत साहू,अशोक कुमार साहू, शिवकुमार साव, प्रतिक साहू,रामाधार साहू आदि अनेक कबीरपंथी सत्संगी उपस्थित थे । प्रनाम द्वारा विगत 14 वर्षों में 1006 प्रबुद्धजनों को देहदान हेतु प्रेरित किया जा चूका है । देहदान करने वाले नेहरू नगर, कबीर आश्रम के जिन 102 सदस्यों ने देहदान किया है उनमें से 2 देहदानियों की पार्थिव काया मरणोपरांत चिकित्सा अध्ययन हेतु मानवता की भलाई के लिए समर्पित की जा चुकी है जबकि,कोरोना संक्रमण काल में प्रतिबंधों के कारण देहदान करने वाले 2 अन्य प्रबुद्धजनों की पार्थिवकाया दान नहीं की जा सकी।

रिटायर कर्मियों ने जताई को-आपरेटिव सोसाइटी से जुड़े रहने की इच्छा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट कर्मियों की सहकारी संस्था बीएसपी एम्पलाइज को-आपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने माह मई-2022 में सेवानिवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। इनमें सीजीएम इंचार्ज प्लेट मिल जीपी ओझा से लेकर गैर अधिकारी वर्ग के कुल 36 सदस्य तक शामिल हैं। सोसाइटी में हुए एक कार्यक्रम में इन रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, फल, उपहार व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान किया गया। यह सभी कर्मी 1984 से 1998 के दौरान भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से संबद्ध हुए थे।

समारोह में रिटायर सदस्यों की दीर्घसेवा का सम्मान करते हुए अध्यक्ष अशोक परगनिहा ने कहा कि सभी वरिष्ठ सदस्य अपना वृहद अनुभव लेकर जीवन की नई पारी शुरू कर रहे हैं एक मार्गदर्शक के तौर पर इन सभी सदस्यों का हमेशा अलग स्थान रहेगा। रिटायर होने वालों में ओर हैंडलिंग प्लांट से इमामुद्दीन, उमेश कुमार पटेल, रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से सुरेंद्र प्रसाद, मन्नूलाल टंडन, सुरेंद्र कुमार, स्टोर्स से राजकुमार साहू, कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से मुक्तानंद वर्मा, स्टील मेल्टिंग शॉप-2 से सेवकराम साहू, रविशंकर रे, मशीन असेंबलिंग एंड री-इंजीनियरिंग शॉप-1 (मार्स) से रामदयाल, कमलकांत, वीयूएलसीएन से अजीतराम साहू, सीपीडी से संतोष कुमार, प्लेट मिल से दिनेश कुमार, सीजीएम इंचार्ज जीपी ओझा, आरपी मलिक, ट्रांसपोर्ट एंड डीजल से गोपाल राम, वायर रॉड मिल से शिव प्रकाश,देवेंद्र दास, मेडिकल से शरद कुमार, आक्सीजन प्लांट-2 से रामसेवक कुम्हार, आरके चंद्राकर, ब्लास्ट फर्नेस से राम विनय तिवारी, जनरल इस्टैब्लिशमेंट से नरेश चौधरी, दयावती, सिंटर प्लांट-2 से लक्ष्मण सिंह रावटे, मटेरियल रिकवरी विभाग से अब्दुल कुद्दुस, फाउंड्री एंड पैटर्न शॉप से सुमंत मुखर्जी,सुखचरण लाल,गोविंद शर्मा, रिफ्रैक्ट्री मटेरियल प्लांट-2 से नरेंद्र कुमार, मर्चेंट मिल से मिलनराम साहू, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से पुर्णेंदु कुमार, इंस्ट्रूमेंटेशन से रामलखन शंकर, रिफ्रैक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग-2 से विद्यासागर तंबोली, टाउनशिप इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग विभाग से गोपाल प्रसाद साहू शामिल हैं। समारोह में इन रिटायर कर्मियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अपना सेवाकाल याद किया।

अग्रवाल स्वीट्स के संचालक ने किया था नाली जाम, आयुक्त ने लगाया 10 हज़ार का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम मानसून पूर्व शहर में चल रहे जाम नालियों की सफाई कार्य का आज सुबह 6 : 00 बजे नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने जायजा लिया। इंद्रिरा मार्केट पार्किंग स्थित दुकान अग्रवाल स्वीट्स के संचालक के द्वारा नाली को जाम करने और कचरा डालने पर उन्होंने जमकर फटकार लगाई और 10 हजार का अर्थदंड भी लगाया।

निगम आयुक्त ने चेतावनी दी है कि यदि नालियों की सफाई के बाद यदि कहीं कोई गंदगी व कचरा डालता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी व जुर्माना भी वसूला जाएगा। उन्होंने नगर निगम के सफाई अमले को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि जहां भी नालियों को जाम करने वाले की जानकारी मिलती है उस पर जुर्माना की कार्रवाई करें। बता दें कि इन दिनों मानसून पूर्व नालियों की सफाई का काम चल रहा है। जाम नालियों से मलबा निकाला जा रहा है। प्रतिदिन निगम आयुक्त हरेश मंडावी खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। सफाई के दौरान उक्त स्थल से निगम के सफाई कर्मचारियों द्वारा मलबा निकाला गया है और साफ किया।निगम आयुक्त श्री मंडावी ने निगम के स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दिवान व नोडल अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किया है कि नगर में गंदगी फैलाने वालों पर अर्थदण्ड की कार्रवाई करें। आयुक्त ने नगर वासियों से अपील करते हुए कहा है कि सार्वजनिक नाली जाम न करें, साफ-सफाई कार्य में नगर निगम के कर्मचारियों का साथ दें। नाली जाम होने से वर्षा ऋतु में पानी के बहाव में दिक्कत होती है जिससे शहर में पानी भराव की समस्या उत्पन होती है।

अतिवृष्टि, बाढ़ से निपटने बनी कार्य योजना

बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाया गया, लगाई अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा आगामी मानसून को देखते हुए अतिवृष्टि, बाढ़ नियंत्रण एवं प्राकृतिक आपदा से बचाव व राहत व्यवस्था के संबंध में निर्धारित कार्य योजना अनुसार कार्य करने के लिए कमिश्नर हरेश मंडावी ने अधिकारी कर्मचारियों को दायित्व सौपते हुए दायित्वों का पूरी गंभीरता,कार्यकुशलता व निष्ठापूर्वक निर्वहन कहा है। इसके साथ ही निगम कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है तथा मुख्य बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों के लिए निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सेल्टर केंद्र निर्धारित किए गए हैं। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वर्षा ऋतु के दौरान अतिवृष्टि बाढ़ नियंत्रण, प्राकृतिक आपदा से बचाव व राहत, आकस्मिक घटना की जानकारी उपलब्ध कराने, प्रभावित व्यक्तियों को राहत एवं उनका बचाव कार्य संचालित करने, प्रभावितों को तत्काल सहायता दिए जाने व नगर के नाले, नालियों की सफाई व बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु एक सुनियोजित कार्ययोजना तैयार की गई है,बाढ़ नियंत्रण से निपटने बनी कार्य योजना के तहत संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति में निकाय क्षेत्रान्तर्गत सुरक्षा एवं राहत प्रदान करने कार्यालय भवन के दूरभाष नम्बर 0788-2322148 में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। उपरोक्त सम्पूर्ण कार्यो की मॉनिटरिंग/व्यवस्था एवं कार्यो के सम्पादन हेतु एस0डी0शर्मा, सहायक अभियंता, मोबाईल नम्बर-9826128506 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है बाढ़ नियंत्रण कक्ष में इन अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी इस प्रकार लगाई गई है

समय प्रात: 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

कन्ट्रोल रूम प्रभारीटेलीफोन अटेन्ड करने हेतु रविवार के दिन सुरेश केवलानी, उप अभियंता, 9425675465 राजूलाल यादव, 7999041146 की ड्यूटी लगाई गई है सोमवार को कुमारी आशमा डहरिया, उओ अभियंता 8827620748 श्रीमती लक्ष्मी साहू, 8839977628 मंगलवार कुमारी श्वेता महलवार, उप अभियंता 8817029044 कुमारी चित्ररेखा चन्द्राकर, 8085289463 बुधवार को भीमराव, उप अभियंता 8827370856 श्रीमती साक्षी वर्मा, 7477019965 गुरूवार को व्ही0पी0मिश्रा, सहायक अभियंता 798764141 कुमारी प्रिंसी शर्मा, 626598823 शुक्रवार को राजेन्द्र ढ़बाले, अभियंता 7999828273 कुमारी माया ताम्रकार, 7697724456शनिवार क ो विनोद मांझी, उप अभियंता 9589081099 विशाल मनहरे, 9907111353 की ड्यूटी कंट्रोल रूम में लगाई गई है

समय रात्रि 8:00 बजे से प्रात: 8:00 बजे तक कन्ट्रोल रूम प्रभारी टेलीफोन अटेन्ड करने हेतु,रविवार को राजेन्द्र ढ़बाले, उप अभियंता 7999828273 सतीश साहू, 9770763065 की ड्यूटी लगाई गई है बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए, निम्नाकिंत विभागीय अधिकारियों की ड्यूटी उनके नाम के सम्मुख दर्शित कॉलम अनुसार लगाई. गयी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950